संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 84
पृष्ठ 8
गुरुवार
12 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कॉमेडियन सुनील पाल ....

विचार- पूजा स्थल के चरित्र...

खेल- विराट-अनुष्का की शादी....

भारत, 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा-मुख्यमंत्री

बस्ती। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास कर रहा है और 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा। कर्मा देवी शिक्षण संस्थान समूह के 15वां स्थापना दिवस के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए श्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर निरंतर अग्रसर है भारत को विकसित देश बनाने के लिए हमें आत्मनिर्भर होना पड़ेगा और इसके लिए पहले हमें आधुनिक शिक्षा ग्रहण करनी होगी। जब हमारा गांव ,नगर, जिला,प्रदेश आत्म निर्भर बनेगा तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। भारत पूरी दुनिया में प्रत्येक क्षेत्र में अपना झंडा बुलंद कर रहा है। कोरोना काल में जिस तरीके से चीन ने भारत को दवा देने से मना कर दिया था और धोखा दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फार्मेसी उद्योग ने दवा बनाकर पूरे विश्व को एक नया संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि 1947 से 2014 तक भारत आर्थिक व्यवस्था से ऊपर–नीचे उठकर 11 वे पायदान पर था लेकिन 2014 के बाद से भारत देश की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गई। सकारात्मक सोच हमें बहुत आगे ले जा सकती है सकारात्मक सोच से ही भारत बहुत तेजी से विकासशील हो रहा है। नकारात्मक सोच हमें गड्ढे में गिरा सकती है इसलिए हमें हमेशा सकारात्मक सोच से आगे बढ़ना चाहिए। भारत की भाषाएं भारत की एकता का प्रतीक है हमें सभी भाषाओं का अध्ययन करना चाहिए। एक भारत नेक भारत के लिए हमें सदैव कार्य करते रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के लोग 50 साल इसलिए पीछे हो गए हैं क्योंकि पिछली सरकारों ने आधुनिकता, शिक्षा, संसाधन पर ध्यान नहीं दिया था पिछली सरकारों ने समस्या को समस्या समझा उसको निस्तारण करने से पीछे भागते रहे। इसी कारण से यहां के युवा पलायन करने लगे। अगर उस समय फार्मेसी कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज,ला कॉलेज होते तो आज यहां के युवा प्रत्येक क्षेत्र में अपनी अलग छाप छोड़ रहे होते। फार्मेसी क्षेत्र बहुत बड़ा क्षेत्र है। बुंदेलखंड में फार्मेसी को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग स्थापित किया गया है। पूरी दुनिया आपका इंतजार कर रही है आप एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हुए सही दिशा में सही काम करे। पूरी दुनिया में जो सबसे अच्छी 100 कंपनियां है उनमें से 20 कंपनियों के सीईओ भारत के हैं जो बेहद ही गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि सरकार और समाज जब मिलकर काम करेगी तभी हमारा गांव ,नगर, जिला , प्रदेश विकास की ओर आगे बढ़ेगा। बस्ती में एक कवि आए थे उन्होंने बहुत पहले कहा था बस्ती को 'बस्ती को बस्ती कहूं , काके कहूं उजाड़' लेकिन अब बस्ती एक विकसित नगर बन गया है। बस्ती में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई है। यहां की भूमि भगवान श्री राम के जन्म के लिए महाराज दशरथ जी ने पुत्रेष्टि यज्ञ के लिए चुना था। बस्ती की भूमि वंदनीय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश संसाधनों के मामले में हमेशा उपेक्षित रहा है लेकिन प्रदेश सरकार ने बस्ती, सिद्धार्थनगर, देवरिया, महाराजगंज में मेडिकल कॉलेज स्थापित करके स्वास्थ्य क्षेत्र को एक नई दिशा प्रदान किया है।

उन्होंने कहा कि आज ही के दिन मुंडेरवा चीनी मिल में अन्नदाता किसान प्रदर्शन कर रहे थे उस दौरान गोली चलने से तीन किसान शहीद हो गए थे और पिछली सरकार ने मुंडेरवा चीनी मिल को बेच दिया था यहां के जनप्रतिनिधि ने जब मुझे अवगत कराया तो मेरे द्वारा पुनः चीनी मिल का शुभारंभ कराया गया। केंद्र तथा प्रदेश सरकार किसानों की आय दुगनी करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। हाल ही में उत्तर प्रदेश से एक टीम मास्को गई थी जहां पर आम के बाजार में उन्होंने 8 सौ से लेकर 1 हजार रुपया किलो तक के आम बिकने का अध्ययन किया। बस्ती जनपद की भूमि आम्रपाली आम की जननी है अगर यहां बाजार में 60 –70 रुपए किलो आम बिक रहे है और हम मास्को में आम बेचने के लिए अगर 2 सौ रुपया खर्च करके बेचे तो हमारे अन्नदाता को कई गुना मुनाफा होगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है गोबर के खाद से हम एक अच्छी , निरोगित फसल को पैदा कर सकते है। जो हम फसल में कीटनाशक दवाएं डाल रहे हैं उससे बचने के लिए देशी खाद का उपयोग बहुत ही जरूरी है। प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षित कर रही है।उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें देश हित में कार्य करना चाहिए। मनुष्य को चाहे जितनी बड़ी यश प्राप्ति हो जाए अगर वह अपनी मां के प्रति, पिता के प्रति,मातृ भूमि के प्रति, गुरु के प्रति,देव के प्रति लगाव नहीं है तो जीवन सफल नहीं है।कर्मा देवी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष ओम नारायण सिंह से प्रेरणा लेकर अपने पूर्वजों को जीवंत रखने के लिए उनके स्मृति में हमें बहुत कुछ करना चाहिए।

पीएम मोदी ने सुब्रमण्यम भारती को किया याद,

कहा- उनकी हर सांस मां भारती की सेवा के लिए समर्पित थी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महान तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती की संपूर्ण कृतियों के संग्रह का विमोचन किया। इन कृतियों को 23–खंडों के सेट में सीनी विश्वनाथन ने संकलित और संपादित किया है। इसमें भारती के लेखन के संस्करणों, स्पष्टीकरणों, दस्तावेजों, पृष्ठभूमि की जानकारी और दार्शनिक प्रस्तुति का विवरण शामिल है। इस दौरान उन्होंने कहा, आज देश महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी की जन्मजयंती मना रहा है।

मैं उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं, उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि आज भारत की संस्कृति और साहित्य के लिए, भारत के स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों के लिए और तमिलनाडु के गौरव के लिए बहुत बड़ा अवसर है। महाकवि सुब्रमण्यम भारती के कार्यों का, उनकी रचनाओं का प्रकाशन एक बहुत बड़ा सेवायज्ञ और बहुत बड़ी साधना है। और आज उसकी पूर्णाहुति हो रही है। हमारे देश में शब्दों को केवल अभिव्यक्ति ही नहीं माना गया है। हम उस संस्कृति का हिस्सा हैं, जो 'शब्द ब्रह्म' की बात करती है, शब्द के असीम सामर्थ्य की बात करती है। पीएम मोदी ने कहा कि सुब्रमण्यम भारती ऐसे महान मनीषी थे, जो देश की आवश्यकताओं को देखते हुए काम करते थे। उनका विजन बहुत व्यापक था।

आबकारी नीति मामले में सिसोदिया को मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत शर्तों में ढील

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राहत देते हुए जमानत की शर्तों में बुधवार को ढील दे दी।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने सिसोदिया की जमानत के मामले में अपने पिछले आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को हर सोमवार और गुरुवार को संबंधित जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने की शर्त जरूरी नहीं है हालांकि, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उन्हें नियमित रूप से निचली अदालत में उपस्थित होना चाहिए। श्री सिसोदिया ने हर सोमवार और गुरुवार को संबंधित जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने की जमानत की शर्तों में ढील के लिए शीर्ष अदालत से गुहार लगाई थी। उच्चतम न्यायालय ने गत नौ अगस्त को श्री सिसोदिया को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)– दोनों मामलों में जमानत देकर उन्हें बड़ी राहत दी थी। अदालत ने यह देखते हुए जमानत दी थी कि मुकदमे की सुनवाई में देरी और श्री सिसोदिया के लंबे समय तक जेल में रहने से संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता के उनके अधिकार पर असर पड़ रहा है। शीर्ष अदालत ने जमानत की शर्तों में श्री सिसोदिया को प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 से 11 बजे के बीच जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा था। इसके बाद शीर्ष अदालत ने जमानत देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के 21 मई, 2024 के आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सिसोदिया को उपमुख्यमंत्री रहते हुए 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया गया था।

संजय मल्होत्रा ने आरबीआई गवर्नर का कार्यभार संभाला

मुम्बई। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1990 बैच के राजस्थान कैडर के अधिकारी संजय मल्होत्रा ने आज भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 26 वें गवर्नर कार्यभार संभाल लिया। श्री मल्होत्रा को श्री शक्तिकांत दास के स्थान पर नियुक्त किया गया है। श्री दास को सेवा विस्तार नहीं मिला है। वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग के सचिव रहे श्री मल्होत्रा कार्यकाल तीन वर्षों का है। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने के साथ प्रभावी हो गई है।

79 नाविकों के साथ दो बंगलादेशी मछली पकड़ने वाले ट्रालर को पकड़ा

ढाका। भारतीय तटरक्षक बल ने भारत–बंगलादेश के बीच समुद्री सीमा के पास 79 नाविकों के साथ दो बंगलादेशी मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर को पकड़ लिया है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को प्राप्त हुई। द ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, ट्रॉलर मालिकों और जहाजरानी विभाग के अनुसार, यह घटना खुलना के हिरोन पॉइंट इलाके में सोमवार दोपहर हुई। जब्त किए गए ट्रॉलरों की पहचान चौटोग्राम के सी एंड ए एग्रो लिमिटेड के स्वामित्व वाले एफवी मेघना–5 और एसआर फिशिंग के स्वामित्व वाले एफवी लैला–2 के रूप में हुई है। अंसारुल हक, परिचालन प्रबंधक, सी एंड ए एग्रो लिमिटेड ने कहारू एफवी मेघना–5 और एफवी लैला–2 खुलना बेल्ट के हिरोन पॉइंट क्षेत्र में गहरे समुद्र में मछली पकड़ने में लगे हुए थे। सोमवार सुबह लगभग 11 बजे, दोनों जहाजों को भारतीय तटरक्षक बल ने जब्त कर लिया। बाद में, हम नाविकों के साथ संपर्क करने में कामयाब रहे और उन्होंने हमें सूचित किया कि ओडिशा पहुंचने में एक या दो घंटे और लगेंगे।

वैश्विक चिंताओं को दूर करने के लिए हितधारकों के बीच भागीदारी हो- सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि वर्तमान में अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करने वाली अधिकांश चुनौतियाँ – प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और सतत विकास, आपूर्ति श्रृंखलाएँ, आदि – वैश्विक प्रकृति की हैं तथा उद्योग, नीति निर्माताओं और नागरिकों के लिए समन्वित दृष्टिकोण के माध्यम से सामूहिक रूप से काम करना अनिवार्य हो गया है ताकि मौजूदा चिंताओं को दूर किया जा सके और सदी के मध्य में प्रवेश करते समय ग्लोबल साउथ में नागरिकों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित किया जा सके।

श्रीमती सीतारमण ने वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित वैश्विक आर्थिक नीति मंच 2024 के उद्घाटन सत्र के दौरान यह बात कही। उन्होंने पाँच प्राथमिकताएँ बताईं, जिनके बारे में उनका मानना घ्है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए दशकीय प्राथमिकताएँ होनी चाहिए, जो सम्मेलन का विषय है। उन्होंने कहा कि इन पांच प्राथमिकताओं में पहला है वैश्विक शांति बहाल करना, जिसके लिए सभी हितधारकों को भू–राजनीतिक व्यवधानों और युद्धों से बचने में मदद करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जो आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान पैदा करते हैं, खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं को प्रभावित करते हैं और मुद्रास्फीति को बढ़ावा देते हैं। दूसरे, आपूर्ति श्रृंखलाओं और उत्पादन केंद्रों के पीछे आर्थिक सिद्धांतों के महत्व को रेखांकित करते हुए, उनका दृढ़ मत था कि आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के रास्ते में कोई भी राजनीतिक, भू–राजनीतिक या रणनीतिक जोखिम नहीं आना चाहिए जो विकास और कल्याण को बाधित करता है। वित्त मंत्री ने बाद में जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को तीसरी प्राथमिकता के रूप में संदर्भित किया, जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा कि कड़ी मेहनत से अर्जित धन, संपत्ति और जीवन को जलवायु संबंधी अनिश्चितताओं के लिए बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए, जबकि कृषि और संबद्ध गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जहां किसानों को बेहतर आजीविका और उच्च आय हासिल करने में मदद करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाया जा सकता है। हमें संसाधनों पर दबाव डाले बिना कृषि में सुधार के विभिन्न तरीकों पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पानी की चुनौती एक और दशकीय प्राथमिकता होनी चाहिए। चौथी प्राथमिकता पर आते हुए, वित्त मंत्री ने पैमाने के महत्व पर प्रकाश डाला, जो ताकत के साथ–साथ चर्चा का विषय होना चाहिए, जिसमें बड़े उद्योग के पास पैमाना होता है जबकि छोटे उद्योग के पास क्षैतिज पैमाना होता है, और दोनों को प्रगति के लिए मिलकर काम करना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि समावेशी विकास और जनसांख्यिकीय लाभांश को प्राप्त करने के लिए उद्यमों को पैमाने के आधार पर पूरे देश में फैलना चाहिए। प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए, मंत्री ने घोषणा की कि डिजिटल स्टैक के बाद भारत के लिए एग्री स्टैक अगली बड़ी चीज होगी। उन्होंने उद्योग से युवाओं के साथ काम करने और प्रबुद्ध स्वहित में कौशल विकास की सुविधा के लिए अपने निपटान में उपकरणों का उपयोग करने का आग्रह किया, जबकि अंतिम प्राथमिकता भविष्य की पीढ़ियों के हितों की रक्षा के लिए ऋण और वित्तीय सुरक्षा पर थी।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि आर्थिक सफलता का लाभ तकनीक के माध्यम से ही सही तरीके से फैलेगा। भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर , डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) और कृषि के लिए टेक्नोलॉजी स्टैक ने पहुंच को लोकतांत्रिक बनाया है। किसान अब तकनीक के लाभ के कारण वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम हैं। मुझे यकीन है कि एग्री स्टैकश अगली बड़ी चीज होगी जिसे आप भारत से निकलते हुए सुनेंगे। भारत में हमेशा छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों की ताकत रही है। दशकीय प्राथमिकता के लिए, उद्योग को छोटे और मध्यम उद्यमों के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे कैसे बड़ी इकाइयों का समर्थन कर सकते हैं और साथ ही रोजगार सृजन में भी समान रूप से योगदान दे सकते हैं।

रेल संचालन को और सरल बनाने वाला 'रेल संशोधन विधेयक' लोकसभा में पारित

नयी दिल्ली। लोकसभा ने रेलवे के संचालन को ज्यादा सरल और सुविधाजनक बनाने तथा स्थानीय स्तर पर अधिकारियों को ज्यादा शक्ति देने के वास्ते दो पुराने कानूनों को जोड़कर बनाया गया 'रेल संशोधन विधेयक –2024' बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल संशोधन विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सदस्यों ने कई अच्छे सुझाव दिए हैं। विधेयक की आवश्यकता संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि विधेयक को सरल बनाने की जरूरत थी और इसमें 1905 तथा 1989 के संशोधन को मिलाकर कानून को सरल बनाया गया है। रेलवे का बहुत विकेंद्रीकरण हुआ है और उसका देश को बड़ा लाभ हुआ है क्योंकि अधिकारियों को लोगों की जरूरत के अनुसार काम करने का अधिकार मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल के दौरान रेलवे में स्वच्छता के स्तर पर बहुत बदलाव आया है। इन दौरान करीब तीन लाख दस हजार नये टॉयलेट बनाए गये हैं और स्वदेशी तकनीकी से वंदेभारत रेल शुरु की गई और इसकी वजह से इसकी चर्चा पूरी दुनिया में है। छोटी दूरी दो से ढाई सौ किलोमीटर की दूरी पर नमो भारत रेल चल रही हैं। रेल लाइनों का बड़े स्तर पर विद्युतिकरण हुआ है। इसका फर्क यह है कि 60 साल में 21 हजार लाइनों का विद्युतिकरण हुआ था, लेकिन इन दस साल में 44 हजार किलोमीटर का विद्युतिकरण हुआ है। रेल मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में खूब निवेश हुआ है, लेकिन रेलवे में कम हुआ है और इधर रिकार्ड कायम हुए हैं। मोदी सरकार ने 31 हजार नये ट्रैक बनाए हैं और एक साल में पांच हजार से अधिक रेलवे के नये ट्रैक बने हैं। रेलवे को लेकर निजीकरण की किसी भी तरह की गलत अवधारणा नहीं बनाने की उन्होंने विपक्षी दलों से आग्रह किया और कहा कि इस तरह की अवधारणा नहीं बनाई जानी चाहिए और स्वीकार करना चाहिए कि देश ने रेलवे के क्षेत्र में जबरदस्त तरक्की की है। सरकार ने सदस्यों की मांग को ध्यान में रखते हुए रेल के जनरल कोच बढाए गये हैं और हर रेल पर ज्यादा जनरल कोच लगाए जा रहे हैं। अमृत भारत में 20 में से 10 स्लीपर और दस अन्य कोच हैं। यह ट्रेन वंदे भारत की तर्ज पर बनाई गई है। अब हर महीने अमृत भारत की ट्रेन हर महीने या दो महीने में बढाई जाएगी और इसमें एक हजार किलोमीटर की यात्रा के लिए महज 400 रुपए में सफर करने की सुविधा है। प्रयागराज में महाकुंभ होने वाला है और इसके लिए 13 हजार रेलों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि 9000 रेलवे के बिना पहरेदार वाले लेवल क्रोसिंग को खत्म कर दिया गया है और वहां अंडर पास बनाए गये हैं। रेल में नयी तकनीकी का इस्तेमाल कर रेलवे सुरक्षा में सुधार कर आटोमैटिक कंट्रोल को रेलवे में बढाया जा रहा है। रेलवे में सुरक्षा के सभी उपकरणों में सुरक्षा मानकों के साथ लगाया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा का मामला है इसलिए इन सुरक्षा उपकरणों को उच्च स्तरीय सुरक्षा मानकों के साथ लगाया गया है।

संस्थापित 2001 संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालय: 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002

M.: 9005239332, 9450482227

E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

पांच हजार करोड़ से बदल गई रेलवे स्टेशनों की तस्वीर, प्रयाग और फाफामऊ स्टेशन को मिली नई बिल्डिंग

प्रयागराज। महाकुंभ को लेकर प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों की तस्वीर तकरीबन बदल चुकी है। महाकुंभ की तैयारियों को लेकर इन स्टेशनों पर तकरीबन पांच हजार करोड़ की लागत से चल रहे अधिकांश कार्य पूरे हो चुके हैं, जो बचे हैं वह इसी माह के अंत तक पूरे हो जाएंगे। इस बार महाकुंभ ने प्रयाग जंक्शन और फाफामऊ स्टेशन को पूरी तरह से बदल दिया है। झूंसी को दारागंज से जोड़ने के लिए सौ वर्ष बाद एक नया गंगा पुल भी प्रयागराजवासियों को मिला है। महाकुंभ के मौके पर रेलवे रिकॉर्ड संख्या में तीन हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेनों को भी संचालित करने जा रहा है। पीएम मोदी महाकुंभ से जुड़े विकास कार्यों का लोकार्पण करने के लिए 13 दिसंबर को प्रयागराज आ रहे हैं। रेलवे की भी कई परियोजनाओं का लोकार्पण होना है। इसमें अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन पर बनी नई स्टेशन बिल्डिंग, 12–12 मीटर चौड़े दो फुट ओवरब्रिज समेत कई विकास कार्य शामिल हैं। इन दोनों ही स्टेशनों की मुख्य इमारत मंदिरनुमा बनाई जा रही है। इसमें अब गुंबद लगाए जाने का ही कार्य शेष रह गया है। प्रयाग स्टेशन की बात करें तो यहां महाकुंभ को लेकर तीन की जगह अब कुल चार प्लेटफॉर्म हो गए हैं। इन दोनों ही स्टेशनों पर महाकुंभ के दौरान एक ओर से यात्रियों का प्रवेश तो दूसरी ओर से निकास होगा। झूंसी स्टेशन को भी रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज के सैटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया है। यहां 27.02 करोड़ से यात्री सुविधाओं में विस्तार किया गया है। यहां प्लेटफॉर्म की संख्या तीन से बढ़ाकर चार कर दी गई है। झूंसी स्टेशन पर एक नया फुट ओवरब्रिज भी बनाया गया है। अब यहां तीन फुट ओवरब्रिज हो गए हैं। साथ ही पहली बार छह स्थायी यात्री आश्रयस्थल भी बनाए गए हैं। प्रयागराज–रामबाग स्टेशन पर नया प्लेटफॉर्म और पुराने फुट ओवरब्रिज को ध्वस्त कर उसके स्थान पर नए पुल का निर्माण किया गया है। यहां सिटी साइड में पीआरएस कम यूटीएस टिकट के लिए नई बिल्डिंग बनाई गई है। प्लेटफॉर्म पांच एवं छह की लंबाई बढ़ाने के साथ उसमें शेड का विस्तार भी किया गया है। रामबाग स्टेशन पर तीन स्थायी आश्रयस्थल भी बनाए गए हैं। यहां अब लिफ्ट लगाने का कार्य रेलवे प्रशासन ने शुरू किया है। महाकुंभ को लेकर उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज और नैनी स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का रेलवे ने इजाफा किया है। इन तीनों ही स्टेशन पर अब दोनों ही ओर से यात्रियों की आवाजाही हो सकती है। छिवकी पर फूड प्लाजा तकरीबन तैयार है। यहां फुट ओवरब्रिज में सुधार किया गया है। नैनी स्टेशन पर गुड्स शेड बनाने के साथ एक वेटिंग हॉल बनाया गया है। हावड़ा छोर पर बने एफओबी का भी नवीनीकरण किया गया है। स्टेशन पर लगी बेंच आदि को भी बदला गया है। नैनी और छिवकी स्टेशन की मुख्य इमारत का रंग–रोगन कर उसे नया लुक दिया गया है। सूबेदारगंज में भी राजरूपपुर साइड सरकुलेटिंग एरिया को विकसित किया गया है। यहां सभी प्लेटफॉर्म पर यात्री शेड का विस्तार रेलवे ने किया है। सूबेदारगंज में ट्रेनों की साफ सफाई के लिए वॉशिंग लाइन भी बनाई गई है। महाकुंभ को लेकर सर्वाधिक भीड़ प्रयागराज जंक्शन पर ही उमड़नी है। प्रयागराज जंक्शन को स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है। इससे यहां अन्य स्टेशनों की भांति बड़े कार्य तो नहीं हुए, लेकिन यात्री सुविधा से जुड़े तमाम कार्य जरूर किए गए हैं। यहां चार स्थायी आश्रयस्थल यात्रियों की आवाजाही के लिए तैयार किए गए हैं। जंक्शन पर 18 स्क्रीन से सुसज्जित सीसीटीवी कक्ष युक्त मेला टॉवर इमारत में लगाया गया है। इससे भीड़ नियंत्रण, गाड़ियों का आगमन–प्रस्थान, सिविल प्रशासन के साथ समन्वय, आपात स्थिति से निपटना, यात्रियों की सहायता इत्यादि जैसे कार्यों किए जाएंगे। स्टेशन पर पेयजल के लिए सभी प्लेटफॉर्म पर नए नल लगाए गए हैं। स्टील बेंच की संख्या भी बढ़ाई गई है। महाकुंभ को लेकर जंक्शन पर काफी संख्या में धार्मिक तस्वीरें भी लगाई गई हैं।

एसपीजी की मौजूदगी में तैयार हुआ पीएम के कार्यक्रम का खाका, पीएमओ की टीम ने संभाली कमान

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर एसपीजी और पीएमओ की टीम ने मंगलवार को कमान संभाल ली। मेला, जिला और पुलिस प्रशासन के साथ बैठक में एसपीजी ने पूरे आयोजन का खाका तैयार किया और उसके अनुसार व्यवस्था के निर्देश दिए। इस मौके पर सेना के अफसर भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री 13 दिसंबर को प्रयागराज आ रहे हैं और करीब तीन घंटे यहां रहेंगे। दिन में करीब 11रू30 बजे उनका विशेष यान बमरौली एयरपोर्ट पर उतरेगा। वहां से हेलीकॉप्टर से वह अरैल आएंगे। अरैल स्थित डीपीएस के मैदान में हेलीपैड तैयार हो रहा है। अरैल से प्रधानमंत्री निषादराज क्रूज से वीआईपी घाट आएंगे और वहां से संगम नोज पहुंचेंगे। संगम पर गंगा पूजन के साथ उनका संतों संग मुलाकात का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके मद्देनजर संतों को आमंत्रण भेजा गया है। इसके बाद प्रधानमंत्री अक्षयवट, सरस्वती कूप और हनुमान मंदिर में दर्शन–पूजन करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री संगम क्षेत्र में ही बने पंडाल में सभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री इस मौके पर सात हजार करोड़ रुपये से अधिक की निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। श्रृंगवेरपुर धाम में बने घाट, निषादराज पार्क, भगवान राम व निषादराज की गले मिलते प्रतिमा और भरद्वाज आश्रम कॉरिडोर का भी वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री श्रृंगवेरपुर धाम में प्रस्तावित गंगा रिवर फ्रंट, संग्रहालय का शिलान्यास भी करेंगे। इसके बाद वह दिन में करीब ढाई बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर एसपीजी ने कमान संभाल ली है। मेला और जिला प्रशासन संग करीब चार घंटे तक चली बैठक में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बमरौली एयरपोर्ट और अरैल हेलीपैड पर प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए कौन रहेगा, निषादराज क्रूज में कौन–कौन रहेगा और क्या व्यवस्था रहेगी इन सभी बिंदुओं पर मंथन हुआ। गंगा पूजन के दौरान प्रधानमंत्री के साथ जेटी पर कौन–कौन रहेगा, संतों संग वार्ता में कौन रहेगा आदि बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभा स्थल पर प्रधानमंत्री के मंच पर मौजूद रहने वालों की भी सूची तैयार की गई। हालांकि, पीएमओ के निर्देश के बाद ही सूची को अंतिम रूप देने की बात कही जा रही है। बैठक के बाद डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ समेत अन्य अफसरों ने आयोजन स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। प्रयागराज आगमन पर प्रधानमंत्री को कुंभ कलश भेंट किया जाएगा। इसके अलावा महाकुंभ स्नान के विहंगम दृश्य पर आधारित फोटोग्राफ्स समेत अन्य कई भेंटें भी दिए जाने की बात कही जा रही है। प्रधानमंत्री की सभा के लिए 230 मीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा जर्मन हैंगर का पंडाल तैयार किया जा रहा है। मंगलवार को पंडाल के साथ मंच को भी अंतिम रूप दिया गया। गंगा पूजन के लिए जेटी का आधार भी तैयार हो गया है। इसी के साथ एसपीजी ने पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है। 13 दिसंबर को आ रहे प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप प्रधानमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत कई केंद्रीय और प्रदेश के मंत्री भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री गंगा पूजन संग सभा को भी संबोधित करेंगे। हालांकि, चुनिंदा लोग ही प्रधानमंत्री के साथ मंच और जेटी साझा करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में दो लाख से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है। हालांकि, पंडाल की क्षमता इससे कहीं कम है। पंडाल 230 मीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा है। इसमें 20 हजार लोगों के बैठने की ही व्यवस्था होगी। पंडाल में संगम नोज वाले छोर पर प्रधानमंत्री का मंच तैयार किया जा रहा है। मंच भी 120 गुणा 40 वर्गफीट का बनाया जा रहा है। मंच को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कुंभ मेला स्पेशल के लिए तीन ट्रेनों का शेड्यूल जारी, यात्रियों को मिलेगी सहूलियत

प्रयागराज। महाकुंभ के लिए रेलवे की ओर से तीन स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल जारी किया गया है। इसमें रायगढ़–वाराणसी–08251 ने का संचालन 25 जनवरी को किया जाएगा। वहीं वापसी में 26 को वाराणसी से चलकर वापस रायगढ़ पहुंचेगी। वहीं दुर्ग–वाराणसी–08791 ट्रेन आठ फरवरी को दुर्ग से संचालित होगी और प्रयागराज छिवकी होकर वाराणसी पहुंचेगी। इसके बाद नौ फरवरी को वापस वाराणसी से दुर्ग के लिए रवाना होगी। इसके अलावा बिलासपुर–वाराणसी–08253 ट्रेन 22 फरवरी को बिलासपुर से चलकर प्रयागराज छिवकी होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। फिर वापसी में 23 फरवरी को वाराणसी से रवाना होकर बिलासपुर के लिए प्रस्थान करेगी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि कांत त्रिपाठी ने दी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। फाफामऊ रेलवे स्टेशन पर काम किए जाने की वजह से आज सुबह 8.49 से शाम 5.40 तक मेगा ब्लॉक लिया जा रहा है। फाफामऊ रेलवे स्टेशन के यार्ड में आरवीएनएल प्वाइंट टर्नआउट का कार्य पूरा करेगा। इस दौरान लखनऊ इंटरसिटी समेत नौ ट्रेनें बुधवार 11 दिसंबर को निरस्त रहेंगी। रेलवे ने जिन ट्रेनों को निरस्त किया है, उसमें गाजीपुर–प्रयागराज संगम मेमू, लखनऊ–प्रयागराज संगम, कानपुर–प्रयागराज संगम इंटरसिटी, कानपुर अनवरगंज–प्रयागराज संगम पैसेंजर के नाम प्रमुख रूप से शामिल है। बुधवार को यह ट्रेनें दोनों ओर से निरस्त रहेंगी।

मंत्री नंदी पर हमले का मामला: पूर्व विधायक विजय मिश्र का बयान दर्ज, बोले- राजनैतिक प्रतिद्वंदिता से फंसाया गया

प्रयागराज। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल

गुप्ता नंदी के ऊपर हुए प्राण घातक हमले के मामले में आरोपी बनाए गए ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्र का बयान दर्ज किया गया। आगरा जेल से पेशी के लिए इलाहाबाद जिला अदालत लाए गए विजय मिश्र ने सवालों के जवाब दिए। एमपीएमएलए कोर्ट में पूर्व विधायक से 142 सवाल पूछे गए जिसमें अधिकांश प्रश्नों का जवाब उन्होंने दिया। विजय मिश्र ने अपने बयान में कहा कि उन्हें राजनैतिक प्रतिद्वंदिता के चलते फंसाया गया है। मंत्री नंदी के ऊपर हुए हमले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। वह अपने गवाही के समर्थन में गवाह और सबूत पेश करेंगे। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता पर हमले के मामले में बुधवार को विशेष न्यायालय में बयान दर्ज कराने के लिए ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्रा हाजिर हुए। एमपी एमएलए की विशेष न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ल के समक्ष मामले की सुनवाई चल रही है। बता दें कि 12 जुलाई 2010 को कोतवाली थाना क्षेत्र में नंदी की हत्या करने की कोशिश की गई थी। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना में सुरक्षा गार्ड राकेश मालवीय, संजय सिंह, अनुज पांडेय, प्रीतम सिंह, श्याम बाबू व नंदी से मिलने आए पत्रकार विजय प्रताप सिंह आदि घायल हो गए थे। इलाज के दौरान विजय प्रताप सिंह एवं राकेश मालवीय की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में भदोही के पूर्व विधायक विजय मिश्रा, चाका ब्लॉक के प्रमुख रहे दिलीप मिश्रा एवं राजेश पायलट सहित 15 अभियुक्त बनाए गए हैं।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव से न्यायिक कार्य वापस लेने की मांग, अधिवक्ता संगठनों ने उठाई मांग

प्रयागराज। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की ओर से विश्व हिंदू परिषद की कार्यशाला में दिए गए वक्तव्य को असांविधानिक और संविधान पर हमला करार दिया है। कई दूसरे संगठनों ने न्यायमूर्ति से न्यायिक कार्य वापस लेने की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के बैनर तले रविवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लाइब्रेरी हॉल में न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव के भाषण का सुप्रीम कोर्ट संज्ञान ले चुका है। कई अधिवक्ता संगठनों ने भी न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ आंतरिक जांच और अनुशासनिक कार्रवाई की मांग की है। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन के अध्यक्ष अरविंद कुमार राय और सचिव आशुतोष कुमार तिवारी ने मुख्य न्यायाधीश को लिखे पत्र में उनके वक्तव्य को संविधान विरोधी करार दिया है। अधिवक्ता मंच के राजवेंद्र सिंह, चार्ली प्रकाश व पीयूसीएल के केके राय ने ईमेल भेजकर उन्हें न्यायिक कार्य से अलग किए जाने की मांग की है। संगठनों ने लिखा है कि न्यायमूर्ति का भाषण निंदनीय व असांविधानिक है। उनके विवादास्पद बयान से स्पष्ट है कि वह निष्पक्ष होकर न्यायिक कार्य जारी नहीं रख सकते। दायित्वों से मुक्त नहीं करने पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों का ही हनन होगा। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी का कहना है कि विश्व हिंदू परिषद से जुड़े अधिवक्ता जयराज सिंह तोमर ने कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी। बताया था कि संगोष्ठी में समान नागरिक संहिता और वक्फ एक्ट के कानूनी पहलुओं पर चर्चा होगी। लेकिन, विवादित बयान सामने आने के बाद हम सतर्क हो गए हैं। आज के बाद बार एसोसिएशन का लाइब्रेरी हॉल किसी भी कार्यक्रम के लिए बाहरी संगठन को नहीं दिया जाएगा। वहीं, जयराज सिंह तोमर का कहना है कि यह कार्यक्रम कहीं दूसरी जगह होना था। वहां जगह नहीं मिलने पर कुछ लोग मेरे पास आए और हॉल दिलाने का आग्रह किया। मैंने अपने लेटरपैड पर बार अध्यक्ष से हॉल की अनुमति मांगी, जो मिल भी गई। विश्व हिंदू परिषद के काशी प्रांत के अध्यक्ष केपी सिंह का कहना है कि हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सभागार में विहिप के कार्यक्रम में वह नहीं थे, इसलिए न्यायमूर्ति शेखर यादव के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। फिलहाल, अभी इस तरह का कोई दूसरा कार्यक्रम भी प्रस्तावित नहीं है। महाकुंभ में जरूर संतों का सम्मेलन करेंगे।

अयोध्या की तर्ज पर सज रहा हनुमान मंदिर व अक्षयवट कॉरिडोर, बंगलुरु और अयोध्या से मंगाए गए फूल

प्रयागराज। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले अयोध्या की तर्ज पर बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट कॉरिडोर का शृंगार किया जा रहा है। फ्लावर डेकोरेशन के लिए बंगलुरू और

कोलकाता से 21 तरह के फूल मंगाए गए हैं। साज सज्जा के लिए उसी एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसने रामंदिर निर्माण के बाद अयोध्या का शृंगार किया था। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री के प्रयास से ही 2019 में अक्षयवट धाम का द्वार आम श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था। प्रयागराज में संगम तट पर प्राचीन किले में स्थित अक्षयवट कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। सिविल वर्क के बाद अब साज–सज्जा का कार्य भी शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से ही छह साल पहले अक्षयवट के द्वार आमजन के लिए खुले थे, जबकि इससे पहले यह सेना के कब्जे में था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के बाद न सिर्फ यह आम श्रद्धालुओं के लिए खोला गया बल्कि राज्य सरकार की ओर से कॉरिडोर बनाने का भी निर्णय लिया गया। महाकुंभ से पहले करीब 18 करोड़ की लागत से अब इसका कार्य पूर्ण हो चुका है और 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करने वाले हैं। करीब 10 एकड़ में फैले अक्षयवट कॉरिडोर के फ्लावर डेकोरेशन की जिम्मेदारी मोक्ष एजेंसी को सौंपी गई है। इसके इवेंट मैनेजर सोहन नेगी ने बताया कि अयोध्या की तर्ज पर ही हनुमान मंदिर और अक्षयवट कॉरिडोर की सजावट की जाएगी, जो बुधवार शाम को शुरू होगी और वीरवार तक चलेगी। संगम के तट पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर निर्माण के प्रथम फेस का कार्य भी अधूरा रह गया है, जो अब प्रधानमंत्री की विजिट के बाद ही संभव हो सकेगा। वहीं दूसरे फेस का कार्य महाकुंभ के बाद शुरू करने की योजना है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य किया जा रहा है। पहले इसे महाकुंभ तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन बाद में इसे दो फेस में बांट दिया गया। प्रथम फेस में बाउंड्रीवॉल, पुजारी ब्लाक, गेट और सीढिघ्यों का निर्माण किया जाना था, लेकिन अभी पुजारी ब्लॉक और सीढिघ्यों का काम भी अधूरा है। ऐसे में अब इसे प्रधानमंत्री के दौरे के बाद करने का निर्णय लिया गया है। वहीं द्वितीय फेस का कार्य महाकुंभ के बाद शुरू होगा। अक्षयवट कॉरिडोर निर्माण के बाद सरकार की ओर से इसे नया रूप देने का प्रयास किया गया है। इसके तहत यहां स्थापित किए गए सप्तऋषि और अक्षय वट के पत्ते पर बाल गोपाल बरबस की ध्यान आकर्षित करते हैं। वहीं सरस्वती कूप के समीप लगाई गई वीणावादिनी की प्रतिमा भी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगी। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अक्षयवट धाम की धार्मिक और पौराणिक महत्ता के साथ ही नए कार्यों से रूबरू कराया जाएगा। अक्षयवट का अर्थ है कि जिसका क्षय न हो, यानी आदि और अनंत काल तक उसकी महत्ता कायम रहे। प्रयागराज के प्राचीन किले में स्थित अक्षयवट के संबंध में मान्यता है कि भगवान शिव और माता पार्वती ने इस वृक्ष को अपने हाथों से लगाया था। वहीं ब्रह्माजी ने यहां पहला यज्ञ किया था और प्रलय आने के बाद अक्षय वट के पत्ते पर ही बाल रूप में भगवान विष्णु प्रकट हुए थे। यही नहीं श्रीराम, माता जानकी और लक्ष्मण ने वनवास जाने से पहले तीन दिन यहां विश्राम किया था। वापस आते समय उन्होंने अक्षय वट को वरदान दिया था कि इसका कभी विनाश नहीं होगा। कालांतर में यहां जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ऋषभदेव ने तप किया था और मोक्ष प्राप्त किया था। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री को भी अक्षयवट की उक्त धार्मिक और पौराणिक महत्ता तथा खूबियों की जानकारी दी जाएगी।

हाईकोर्ट ने जौनपुर डीएम पर 10 हजार का लगाया जुर्माना, आदेश का पालन न करने पर कोर्ट सख्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश का पालन नहीं करने पर जौनपुर के डीएम पर 10 हजार का जुर्माना लगाया है। कहा है कि डीएम जुर्माना राशि दोषी अधिकारियों के वेतन से वसूलने के लिए स्वतंत्र हैं। 18 दिसंबर से पहले रजिस्ट्रार जनरल के पास राशि जमा करें। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी

चौहान की पीठ ने याची सुरेंद्र की याचिका पर दिया। जौनपुर के सुजानगंज थानाक्षेत्र के दीपकपुर निवासी याची ने प्रधान के खिलाफ डीएम से शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि प्रधान ने गांव में विकास कार्य कराए बिना ही रुपये पास करा लिए। शिकायत पत्र पर कार्रवाई न होने पर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। न्यायालय ने याची की शिकायत पर डीएम से जवाब मांगा था। याची के अधिवक्ता श्याम शंकर मिश्रा ने दलील दी कि न्यायालय के 23 अक्तूबर 2024 के आदेश का डीएम पालन नहीं कर रहे हैं। जबकि, न्यायालय ने 18 नवंबर को भी आदेश के पालन के लिए दो सप्ताह का समय दिया था। वहीं, मंगलवार को स्थायी अधिवक्ता ने आदेश के पालन के लिए अतिरिक्त समय देने की प्रार्थना की। न्यायालय ने आदेश का अनुपालन न करने के लिए कोई कारण नहीं बताने पर नाराजगी जताई। साथ ही न्यायहित में आदेश के अनुपालन के लिए एक सप्ताह का और समय देते हुए डीएम पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

सेना की जमीन पर 368 दुकानों के निर्माण और आवंटन में खेल, ठेकेदार के आदमी ने ओएस के रूप में किए हस्ताक्षर

प्रयागराज। छावनी बोर्ड की ओर से सेना की जमीन पर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 368 दुकानों के निर्माण और आवंटन में बड़ा खेल सामने आया है। टेंडर की सूचना के प्रकाशन से लेकर लाभार्थियों को दुकानों के आवंटन तक में नीति और नियमों से इतर मनमर्जी चलाई गई है। रोजगार सृजन की इस जनोपयोगी योजना को साकार करने के लिए कम से कम दो राष्ट्रीय स्तर के अखबारों में निविदा प्रकाशन कराया जाना अनिवार्य है, लेकिन इसका भी पालन नहीं किया गया। हद तो तब हो गई, जब ठेकेदार के आदमी ने ही ओएस के रूप में अपने हस्ताक्षर से लाभार्थियों को आवंटन पत्र जारी कर दिए। इस मामले की शिकायत रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से की गई है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत रोजगार सृजन के लिए छावनी परिषद ने पथ विक्रेता अधिनियम 2014 के तहत हाईकोर्ट से लगे पोलो ग्राउंड की चहारदीवारी और गवर्नमेंट प्रेस के बीच की भूमि पर जगदीश मार्केट के रूप में 239 दुकानों का पथ विक्रेता बाजार बसाया है। इसके अलावा सदर बाजार की सब्जी मंडी में 110 और यमुना तट सरस्वती घाट पर 19 दुकानों को मिलाकर इस योजना के तहत अब तक कुल 368 दुकानें बनाकर आवंटित की गई हैं। इसमें ज्यादातर लाभार्थियों का मुद्रा योजना के तहत लोन कराया गया है। करोड़ों रुपये की इस रोजगार सृजन योजना में नियमों की अनदेखी किस तरह सफाई से की गई, इस पर भी नजर डालिए। टेंडर के नाम पर 19 जनवरी 2023 को अभिरुचि की सूचना का प्रकाशन सिर्फ एक अखबार में किया गया। इसमें दुकानों के निर्माण और उनकी लागत का भी जिक्र नहीं था। इतनी बड़ी संख्या में दुकानों के निर्माण के कुल बजट का भी उल्लेख नहीं किया गया। इसमें बरेली, मेरठ की भी कंपनियों ने हिस्सा लिया, लेकिन टेंडर दिल्ली की किरन सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस को मिला। इस कंपनी के कर्मचारी ने छावनी के मैरिज हॉल में बैठकर अपने हस्ताक्षर से आवंटन पत्र जारी कर दिए। इस मामले की शिकायत रक्षा मंत्रालय से सामाजिक कार्यकर्ता दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने की है। शिकायत में कहा है कि टेंडर प्रकाशन में पारदर्शिता नहीं बरती गई। निजी कंपनी ने फाइबर निर्मित दुकानों की कीमत लाखों रुपये वसूली है। यह रकम लाभार्थियों से छावनी बोर्ड के खाते में नहीं, बल्कि किरन सॉफ्टवेयर के खाते में जमा कराई गई। 31 अगस्त 2024 को ऑर्डिनरी बोर्ड मीटिंग में तीन सदस्यों की उपस्थिति में टाउन वेंडिंग कमेटी बनाकर पथ विक्रेता बाजार बसाने का प्रारूप रखा गया। इसमें 3.50 लाख रुपये में प्रति दुकान के आवंटन पर सहमति जताई गई। बैठक में यह भी कहा गया कि जिनके पास दुकानें खरीदने की क्षमता नहीं होगी, उन्हें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। लॉटरी सिस्टम से हुए आवंटन में नियमों का पालन किया गया है।

चार पट्टियों में गठित है दिगंबर अखाड़ा, माथे पर उर्ध्व त्रिपुंड पहचान

प्रयागराज। माथे पर उर्ध्व त्रिपुंड तिलक। गले में गुछरू (गुच्छे) की तरह सजी कंठीमाला, लंबी लटों से शोभित जटाजूट और लकदक श्वेतवस्त्र वाले संड़सा–चिमटाधारी साधु दिगंबर अखाड़े की असली पहचान हैं। यह अखाड़ा वैष्णव संप्रदाय के तीन अखाड़ों में सबसे बड़ा और वेश बाना में निराला है। इस परंपरा के निर्वाणी और निर्मोही दोनों अखाड़े दिगंबर अनि के सहायक के तौर पर धर्म प्रचार की सुगठित सेना के रूप में काम करते हैं। वैरागी वैष्णव संप्रदाय का श्रीदिगंबर अनि अखाड़ा अपनी विशेषताओं के लिए जाना जाता है। इसका सिर्फ नाम दिगंबर है, जिसके साधु वस्त्रधारी होते हैं, नागा वैरागी नहीं। दिगंबर साधु खास तरीके का सफेद अंगरख बांधने के साथ ही धोती लपेटते हैं। इस परंपरा के रामानंदी संन्यासी माथे पर उर्ध्व त्रिपुंड यानी तिलक सज्जा के लिए भी जाने जाते हैं। अखाड़े के सचिव नंदराम दास अनि का मतलब समूह या छावनी बताते हैं। इसका धर्म ध्वज पांच रंगों का होता है, जिस पर रामभक्त हनुमानजी विराजते हैं। सचिव नंदराम दास के अनुसार देशभर में इस अखाड़े के करीब 450 से अधिक मठ–मंदिर हैं। चित्रकूट, अयोध्या, नासिक, वृंदावन, जगन्नाथपुरी और उज्जैन में इस अखाड़े के श्रीमहंत भी हैं। अखाड़े के दूसरे सचिव श्रीमहंत सत्यदेव दास के मुताबिक मौजूदा समय में दो लाख से अधिक वैष्णव संत हैं। अखाड़े की स्थापना अयोध्या में हुई थी। इसका काल तो स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना यही जाता है कि 500 साल पहले धर्म रक्षा के लिए ही इसका गठन हुआ था। दिगंबर निंबार्की अखाड़े के रूप में श्याम दिगंबर और रामानंदी में यही अखाड़ा राम दिगंबर कहलाता है। अखाड़े की चार पट्टियां भी हैं, सागरिया, उज्जैनिया, हरिद्वारी और बसंतिया। हर पट्टी में तीन जमातें होती हैं, खालसा, झुंडी और डुंडा। हर जमात में दो थोक भी होते हैं, जिन्हें परिवार कहा जाता है। हर परिवार में आसन होते हैं,

गीता शैक्षिक पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा हो - कुलपति प्रो. राम सेवक दुबे

प्रयागराज। गीता जयंती के अवसर पर प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की ओर से श्रीमद्भगवद्गीता के विविध आयाम विषयक परिसंवाद का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की अभिप्रेरणा से समायोजित परिसंवाद की शुरुआत अनन्त जी मिश्र,अनुराग आजाद के वैदिक मंगलाचरण से हुई। आनलाइन माध्यम से मुख्य वक्ता के रुप में जुड़े जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो. राम सेवक दुबे ने कहा कि गीता में जीवन की विविध शंकाओं का समाधान है। कर्तव्य और अकर्तव्य के भेद ज्ञान के साथ साथ गीता समत्वभाव को जीवंत करती है। कर्त्तव्य बोध कराने वाली गीता को सभी शैक्षिक पाठ्यक्रम में अनिवार्य रुप से शामिल किया जाना चाहिए। मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि गीता मानव को जीवन के व्यावहारिक स्वरुप से जोड़ती है। संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं डीन कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि समाज के विभिन्न दायित्व बोध का माध्यम गीता शास्त्र है। इससे हमें आत्म प्रबंधन की सीख मिलती है। डीन विद्यार्थी कल्याण प्रो.आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि हिन्दी साहित्य पर श्रीमद्भगवद्गीता का गहरा प्रभाव दिखाई पड़ता है। ये आत्मविश्वास के साथ जीना सिखाती है। स्वागत भाषण करते हुए संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में सभी दर्शनों का सार है। उपदेश श्रीकृष्ण इस आध्यात्मिक ज्ञान के प्रकाश पुंज हैं। कार्यक्रम संचालक संस्कृत विभाग के अतिथि प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने कहा कि गीता जीवन प्रस्थान की संजीवनी है। ज्ञान, कर्म और भक्ति के रस में डूबी गीता मानव का आचारशास्त्र है। अतिथि प्रवक्ता डॉ. प्रिया झा ने धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि गीता ज्ञान से निष्काम कर्म की प्रेरणा मिलती है। नई दिल्ली के संस्कृत आचार्य डॉ. अवनेन्द्र पांडेय रसराज, डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. प्रदीप त्रिपाठी इत्यादि ने गीता की प्रासंगिकता पर उद्‌बोधन दिया। शोधछात्र कैलाश चन्द्र तिलवाड़ी, नितिन त्रिपाठी, शिखा श्रीवास्तव, अनन्तजी मिश्र, संदीप दुबे , आदित्य राज गिरि,आदि विद्यार्थियों ने भी गीता विषयक अपने शोध–पत्र का वाचन किया। इस अवसर पर अंजलि गिरि, देवेन्द्र, कमलेन्द्र , ऋषभ, शुभम, हंसमुख, श्रीनाथ, शिवम् मिश्रा, ऋतु कपाड़िया, चंचल तिवारी, अनुराग आजाद, पूर्णेन्दु कुमार, सुधांशु तिवारी, सुंदरम त्रिपाठी, सिद्धि कश्यप, कात्यायनी पाठक, विशेष शुक्ला, शाश्वत उपाध्याय, खुशी, निहारिका, वरुण, आयुषी, खुशी,अनिशा पाण्डेय, विराज सिंह, उत्कर्ष कुमार पाण्डेय, मांडवी, शिवानी पाल, निगिता, अंजलि पाण्डेय, विराज शुक्ला आदि सैकड़ों छात्रगण उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय डायमंड जुबिली फेस्ट का समापन समारोह

प्रयागराज। वनस्पति विज्ञान विभाग एवं इंस्टिट्यूट इनोवेशन सेल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पंच दिवसीय हीरक जयंती श्रृंखला के अंतर्गत आज दिनांक 11 दिसंबर को पांच दिवसीय डायमंड जुबिली फेस्ट का समापन हुआ। आज पांचवे दिन वनस्पति विभाग एवं इंस्टिट्यूट इनोवेशन सेल द्वारा "आर्ट ऑफ बोनसाई" नामक कार्यशाला का आयोजन किया गयाथ जिसमें विभिन्न विभाग के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डी के चौहान रहे। प्रोफेसर चौहान ने बोनसाई बनाते हुए बच्चों को बताया कि पौधे कैसे क्रिएटिविटी को उभारते हैं।

प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन में एक स्ट्रेस बस्टर्स का भी काम करते हैं। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरिता श्रीवास्तव ने कार्यशाला में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं को स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ दीपक गोंड ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ अविनाश प्रताप ने किया। पांच दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरण भी किया गया। क्विज कम्पटीशन मे प्रथम स्थान सत्यम मिश्रा, एक्सटेम्पोर कम्पटीशन में प्रथम स्थान रेवति रमन मिश्रा, डीबेट कम्पटीशन में प्रथम स्थान आदर्श पाण्डेय को तथा रंगोली कम्पटीशन में प्रथम स्थान समीक्षा यादव को मिला कार्यशाला में महाविद्यालय के डीन प्रोफेसर संजय सिंह, प्रोफेसर अर्चना श्रीवास्तव, प्रोफेसर अमिता पाण्डेय, प्रोफेसर मीना राय, प्रोफेसर मंजू श्रीवास्तव, डॉ कीर्ति राजे, डॉ पल्लवी राय, डॉ अनिता सिंह, डॉ विजय प्रताप सिंह, डॉ यशवंत कुमार, डॉ अलोक कुमार सिंह, डॉ गोविन्द गौरव, लाइब्रेरियन डॉ पुनीत आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त

सत्र हंगामेदार होने के आसार प्रबल,पक्ष विपक्ष दोनों तैयार

लखनऊ। 16 दिसंबर से शुरू हो रही विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में 17 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। महाकुंभ पर केंद्रित अनुपूरक बजट का आकार 12 से 15 हजार करोड़ रुपये के बीच होने की संभावना है। सत्र काफी हंगामेदार होने आसार हैं। विपक्ष कई मुद्दों को लेकर तैयार है। सरकार ने भी पूरी तैयारी की है। सत्र के पहल दिन औपचारिक कार्य अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों को सदन के पटल पर रखा जाएगा और विधायी कार्य होंगे।17 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया होगा। 18 दिसंबर को अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी। 19 और 20 दिसंबर को विधायी कार्य होंगे। 20 दिसंबर को सदन आधे दिन संचालित होगा।अनुपूरक बजट का मुख्य हिस्सा महाकुंभ के लिए परिवहन विभाग, नगर विकास विभाग सहित कुंभ से जुड़े अन्य विभागों को आवंटित हो सकता है। औद्योगिक विकास, एमएसएमई को भी बजट में हिस्सा दिया जाएगा विभागों के पास पूर्व में आवंटित बजट ही काफी बचा है। भारत सरकार से भी अनुदान, वित्त आयोग सहित अन्य मदों से धन आ रहा है। 2.34 लाख करोड़ रुपये मार्च तक केंद्र से मिलना है। फरवरी के दूसरे हफ्ते में पूर्ण बजट आना है, इसलिए अनुपूरक बजट का आकार छोटा रहने की संभावना है। अनुपूरक बजट के लिए विभागों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। जुलाई में 12209 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया गया।

(सिले होंठ)

होंठ सिले हैं मेरे,
पर बहुत गिले हैं मेरे।
क्या बोलूँ, किस पर बोलूँ,
कुछ समझ न आये मेरे ।
चाहती हूँ कुछ बोलूँ नेताओं के बारे
पर कुछ बंदिशे हैं
जो रोकती है मुझे।
सोचती हूँ कुछ बोलूँ देश के बारे
पर वहाँ भी रंजिशे हैं जो टोकती है मुझे।
आबोहवा चल रही है कुछ ऐसी
सांस लेना भी मुश्किल है जिसमें ।
जाऊँ जहाँ वहीं माहौल एक जैसा है।
फिर बोलूँ तो क्या बोलूँ!
ये मुमकिन नही लगता है ।
जहाँ मानवता चित्कार रही
दानवता ठहाके लगा रही
सब खामोश बैठे देख रहे।
इन्तजार करते अपनी बर्बादी का ।
जब तक न पड़ेगी इन पर मार
न हटेंगे खाना देश पर खार ।
ऐसा न हो तब हो जाए बहुत देर,
कुछ ऐसे भी हैं जो जाग गये देर सबेर ,
उठो हिन्द के वासिओ अब हो जाओ एक।
तब न ये देश टुकड़ों में बँटेगा ।
खुद भी बचोगे और न यहाँ कोई कटेगा ।

दया शर्मा
शिलांग (मेघालय)

बृज चन्द्रिका विधि महाविद्यालय
अझांव, हण्डिया, प्रयागराज

आवश्यकता है

एल0एल0बी0 त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम हेतु-
प्राचार्य- 01 पद सहायक आचार्य- 06 पद

अर्हताएं/वेतनमान-यू.जी.सी./पी.आर.एस.यू. प्रदेश शासन के द्वारा निर्गत नवीनतम शैक्षिक अर्हता एवं मानकों के अनुसार चयन की कार्यवाही की जाएंगी। अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 15 दिवस के अन्दर मूल प्रमाण-पत्रों/छायाप्रतियों व 02 पासपोर्ट साइज फोटो की स्वच्छ प्रति संलग्न कर आवेदन करें।

प्रबंधक
मो0नं0-9455331709

स्टूडेंट्स को टेबलेट वितरण किया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के अंतर्गत चलाई जा रही स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत एमकाम के स्टूडेंट्स को टेबलेट वितरण किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधानसभा सदस्य ओम प्रकाश श्रीवास्तव तथा निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य सहकारिता बैंक प्रसून जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ के साथ किया गया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत प्राचार्य महोदय प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय तथा कार्यक्रम की नोडल ऑफिसर प्रोफेसर सुषमा त्रिवेदी जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नवयुग कन्या महाविद्यालय की एमकॉम की 27 छात्राओं को मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में टेबलेट वितरित किया गया स उत्तर प्रदेश सरकार की इस युवा उत्थान स्कीम की तारीफ करते हुए मुख्य अतिथि ओम प्रकाश श्रीवास्तव जी ने सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न स्कीमों तथा उनके देश में युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में विस्तृत चर्चा की स उन्होंने छात्रों से कहा सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को बेकार न जाने दे तथा निरंतर अपने विकास में उच्च शिक्षा में नई ऊंचाइयां हासिल करने का प्रयास करें। उन्होंने अपने भाषण में भारत के महान विभूतियां जैसे सर एपीजे अब्दुल कलाम, स्वामी विवेकानंद जी का जिक्र किया तथा उनके द्वारा देश उत्थान के लिए किए गए प्रयासों की विस्तृत चर्चा की स उन्होंने भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिपेक्ष पर किए जाने वाले प्रयासों तथा उपलब्धियो के बारे में चर्चा की तथा उन्हें एक उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रसून जोशी ने छात्राओं से महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की और उन्होंने बताया कि किस तरह से युवा सशक्तिकरण योजना छात्रों के उज्जवल भविष्य को समर्पित हैस प्राचार्य प्रोफेसर उपाध्याय जी ने महाविद्यालय की डिजि शक्ति की नोडल ऑफिसर प्रोफेसर सुषमा द्विवेदी जी तथा उनकी टीम को साधुवाद दिया एवं उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी छात्राओं से अपील की की टेबलेट का सही उपयोग करते हुए अपने भविष्य को उज्जवल बनाएं और किसी भी तरह के अवांछनीय उपयोग से परहेज करें स उन्होंने सभी छात्रों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया स गीता जयंती के अवसर पर नवयुग कन्या महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के तत्वाधान में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन संस्कृत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर वंदना द्विवेदी के संयोजक तत्व में आयोजित किया गया था जिसका मूल्यांकन शिव प्रसाद संस्कृत महाविद्यालय छितवापुर लखनऊ के प्राचार्य डॉक्टर विनोद मिश्रा ने किया परिणाम इस प्रकार रहा। इगिता प्रथम स्थान शीतल मिश्रा सेमेस्टर 3 की द्वितीय स्थान हर्षिता प्रजापति को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है तथा शुभ पांडे सेमेस्टर फिफ्थ को सांत्वना पुरस्कार मिला है। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नेहा अग्रवाल के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में नोडल ऑफिसर प्रोफेसर सुषमा त्रिवेदी ने महाविद्यालय की इस समिति के द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत चर्चा की एवं इस योजना पर गहन प्रकाश डाला स कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रवक्ता, डीजी शक्ति समिति की सभी प्रवक्ताएं डॉक्टर सी प्रतिभा चौहान अरीमा पांडे, डॉक्टर आभा पाल, डॉ नेहा अग्रवाल, डॉ अंकित सोनी सभी छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहेस कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

यूपी के नौ शहरों को टाउनशिप का तोहफा,योगी सरकार ने दिए 1285 करोड़ रुपये

लखनऊ। यूपी के नौ शहरों में 14 नई टाउनशिप विकसित करने के लिए विकास प्राधिकरणों और आवास विकास परिषद को 1285 करोड़ रुपये दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण,नये शहर प्रोत्साहन योजना के तहत आठ विकास प्राधिकरणों और आवास विकास परिषद को भूमि अर्जन के लिए बतौर सीड कैपिटल धनराशि दी है। 22 नवंबर को कैबिनेट मीटिंग में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। शासनादेश के अनुसार, 1285 करोड़ रुपये में से सर्वाधिक 400 करोड़ रुपये आवास विकास परिषद को उसकी लखनऊ व अयोध्या की तीन योजनाओं के लिए दिए गए हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण को दो योजनाओं के लिए 300 करोड़ रुपये मिले हैं। मेरठ विकास प्राधिकरण को 200 करोड़, दो योजनाओं के लिए मथुरा–वृंदावन को 175 करोड़, सहारनपुर को 75 करोड़, मुरादाबाद को 50 करोड़, फिरोजाबाद को 40 करोड़, खुर्जा को 25 करोड़ व बांदा विकास प्राधिकरण को 20 करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्राधिकरण व परिषद की नौ योजनाओं के भूमि अर्जन पर 4164.16 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान है। पहली किस्त के तौर पर 1285 करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रदत्त धनराशि के बराबर संबंधित प्राधिकरण–परिषद को अपने पास से मैचिंग राशि मिलानी होगी।75 प्रतिशत धनराशि खर्च होने का प्रमाण पत्र देने के बाद ही दूसरी किस्त जारी की जाएगी।

प्राधिकरण–परिषद को प्रस्तावित टाउनशिप में पर्याप्त पेयजल व भू–गर्भ जल संरक्षण की समुचित व्यवस्था करना होगा। नगरीय क्षेत्रों के सुनियोजित व सुव्यवस्थित विकास के साथ नगरीय जनसंख्या को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराए जाने के लिए योगी सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी प्रोत्साहन योजना चालू की है।योजना के तहत प्राधिकरणों को भूमि अर्जन में आने वाले खर्च के 50 प्रतिशत तक राज्य सरकार द्वारा सीड कैपिटल के रूप में अधिकतम 20 वर्ष की अवधि के लिए दिए जाने की व्यवस्था है।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी दिसंबर माह की विवाह गीतों के उपलक्ष्य में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना , मुख्य अतिथि छाया त्रिवेदी,विशिष्ट अतिथि डा.

राजलक्ष्मी शिवहरे विशिष्ट अतिथि चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अंजलि तिवारी द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। अतिथियों का अर्चना द्विवेदी द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। छाया सक्सेना, राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर,सिद्धेश्वरी सराफ शीलू,अर्चना द्विवेदी, रश्मि पांडे, आरती शर्मा, कृष्णा राजपूत, रेखा चौधरी ,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, आरती श्रीवास्तव डा. कुमकुम शुक्ला ,शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन अनीता दुबे ने किया।

सीनियर कैडर कोर्स की पासिंग आउट परेड,90 ऑफिसर्स की ट्रेनिंग पूरीय टॉप कैडर हुए सम्मानित

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सीनियर कैडर कोर्स के ट्रेनिंग शेड्यूल पूरा होने के बाद आर्मी मेडिकल कोर सेंटर और कॉलेज में लास्ट डे परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान 90 कोर्स नॉन कमीशन ऑफिसर्स पास आउट परेड का हिस्सा बने। ये सभी छब सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा में भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर लखनऊ ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज के कमांडेंट और मुख्य प्रशिक्षक मेजर जनरल पराग ए देशमुख ने कोर्स में फर्स्ट रैंक हासिल करने पर अग्गू विट्ठल को नायक दीपक सिंह, वीर चक्र रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया। इसके अलावा लेफ्टिनेंट जनरल पीवी रामचंद्रन को कैश अवॉर्ड के रूप में 2500 रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मेजर जनरल पराग ए देशमुख ने कहा सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा क्षेत्र और शांति में सैनिकों की गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है।

महाकुम्भ 2025 के दौरान रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुंभ मेला-2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

(1) गाड़ी सं. 08251/08252 (रायगढ़-वाराणसी-रायगढ़) विशेष रेलगाड़ी

08251 रायगढ़-वाराणसी		स्टेशन	08252 वाराणसी-रायगढ़	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	14:00	रायगढ़	05:25	--
03:00	03:02	मानिकपुर	17:00	17:02
05:10	05:20	प्रयागराज छिवकी	14:15	14:25
06:23	06:25	मिर्जापुर	12:18	12:20
07:10	07:12	चुनार	11:50	11:52
10:00	--	वाराणसी	--	10:50

गाड़ी सं. 08251 रायगढ़ जं. से शनिवार, दिनांक 25.01.2025 को एवं गाड़ी सं. 08252 वाराणसी से सोमवार, दिनांक 27.01.2025 को चलेगी।

अन्य ठहराव: उपरोक्त स्टेशनों के अतिरिक्त यह गाड़ी चांपा जं., बिलासपुर, पेन्ड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, मैहर तथा सतना पर भी रुकेगी।

संरचना: सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-14, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01

(2) गाड़ी सं. 08791/08792 (दुर्ग-वाराणसी-दुर्ग) विशेष रेलगाड़ी

08791 दुर्ग-वाराणसी		स्टेशन	08792 वाराणसी-दुर्ग	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	13:50	दुर्ग	06:30	--
03:00	03:02	मानिकपुर	17:00	17:02
05:10	05:20	प्रयागराज छिवकी	14:15	14:25
06:23	06:25	मिर्जापुर	12:18	12:20
07:10	07:12	चुनार	11:50	11:52
10:00	--	वाराणसी	--	10:50

गाड़ी सं. 08791 दुर्ग से शनिवार, दिनांक 08.02.2025 को एवं गाड़ी सं. 08792 वाराणसी से सोमवार, दिनांक 10.02.2025 को चलेगी।

अन्य ठहराव: उपरोक्त स्टेशनों के अतिरिक्त यह गाड़ी रायपुर, भाटापारा, उस्लापुर, पेन्ड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, मैहर और सतना पर भी रुकेगी।

संरचना: सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-14, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01

(3) गाड़ी सं. 08253/08254 (बिलासपुर-वाराणसी-बिलासपुर) विशेष रेलगाड़ी

08253 बिलासपुर-वाराणसी		स्टेशन	08254 वाराणसी-बिलासपुर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:15	बिलासपुर	--	10:40
03:00	03:02	मानिकपुर	17:00	17:02
05:10	05:20	प्रयागराज छिवकी	14:15	14:25
06:23	06:25	मिर्जापुर	12:18	12:20
07:10	07:12	चुनार	11:50	11:52
10:00	--	वाराणसी	--	10:50

गाड़ी सं. 08253 बिलासपुर से शनिवार, दिनांक 22.02.2025 को एवं गाड़ी सं. 08254 वाराणसी से सोमवार, दिनांक 24.02.2025 को चलेगी।

अन्य ठहराव: उपरोक्त स्टेशनों के अतिरिक्त यह गाड़ी रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर एवं सतना पर भी रुकेगी।

संरचना: सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-14, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01

www.railmadad.indianrailways.gov.in
1800 4199 139
उत्तर मध्य रेलवे
CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2104/24 FA

सम्पादकीय.....

किसानों को सड़क पर लाती सरकार

कृषि उत्पादों पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप सी–2 प्लस 50 प्रतिशत के फार्मूले के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर दिल्ली प्रवेश कर रहे किसानों को हरियाणा स्थित शंभू बॉर्डर पर रोकने में पुलिस को चाहे सफलता मिल गयी हो लेकिन किसान नेता अगले कदम पर विचार–विमर्श कर रहे हैं। उधर सङ्घप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर खाली कराये जाने की एक जनहित याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया कि इसी आशय की एक अर्जी पहले से ही उसके समक्ष विचाराधीन है इसलिये नयी याचिका का औचित्य नहीं है। तत्काल सुनवाई की आवश्यकता से भी उसने इंकार कर दिया। इस सिलसिले में शीर्ष न्यायालय ने पहले ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन को जनता का मौलिक अधिकार बतलाया था और प्रशासन को किसानों के साथ बातचीत कर समस्या का हल निकालने का सुझाव दिया था। बहरहाल, किसान नये सिरे से इस आंदोलन को आगे बढ़ायें। सरकार को चाहिये कि इस जायज मांग को तत्काल स्वीकार कर उन्हें संतुष्ट करे। अपने ऐलान के मुताबिक रविवार को जब हजारों की संख्या में किसानों ने अपनी ट्रैक्टर–ट्रॉलियों के साथ बॉर्डर पार करने की कोशिश की तो वहां मौजूद बड़ी संख्या में पुलिस ने उन्हें रोक लेने में कामयाबी पाई। उसके पहले आंसू गैस के गोले छोड़े जिससे करीब आधा दर्जन किसान घायल हो गये। एक की स्थिति बहुत गम्भीर बताई गई है जिसे चंडीगढ़ स्थित पीजीआई में भर्ती कराया गया है। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन सोमवार को 14वें दिन में प्रवेश कर गया। स्वास्थ्य परीक्षण करने वाले चिकित्सकों के अनुसार उनकी सेहत लगातार खराब हो रही है। आंदोलनकारी किसानों के प्रति पहले की सी बेरुखी अपनाते हुए केन्द्र सरकार उनके साथ चालबाजियां कर रही है। शुक्रवार को आंदोलन के नेताओं से कहा गया कि वे बिना ट्रैक्टर–ट्रॉली के सरकार से मिलने आ सकते हैं परन्तु शनिवार को जब उन्होंने जाने की कोशिश की तो उन्हें यह कहकर रोका गया कि केवल 10 लोगों को ही जाने की मंजूरी है। रविवार को पुलिस और प्रशासन ने यह आरोप लगाकर उन्हें रोक दिया कि मिलने हेतु जाने वाले किसान अपना परिचय नहीं दे रहे हैं। इसी के चलते शंभू बॉर्डर पर अप्रिय स्थिति बन गयी। हालांकि किसानों ने स्वयं ही अपने कदम वापस खींच लिये और स्वीकार किया कि पुलिस ने उन्हें जाने नहीं दिया है। वे आपस में विचार कर अगला कदम तय करेंगे। केन्द्र सरकार के इस रवैये से साफ है कि वह पूर्ववत हठधर्मी बनी हुई है और वह किसानों के इस मुद्दे को लेकर कतई संजीदा नहीं है। उल्लेखनीय है कि 2020–21 में किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल 4 माह का आंदोलन किया था (9 अगस्त, 2020–11 दिसम्बर, 2021)। उस आंदोलन में 750 से ज्यादा किसान शहीद हुए थे। उस समय तो पुलिस ने उन्हें दिल्ली आने से रोकने के लिये बर्बरता की सारी हदें पार कर दी थीं। उत्तर भारत की कड़ाके की ठंड में उन पर पानी की बौछारें की गयीं, डंडे बरसाये गये, शरीर पर आंसू गैस के गोले फेंके गये, रबर बुलेट भी शरीर के ऊपरी हिस्सों में चलाई गयीं। इतना ही नहीं, सड़कों पर कीलें लगाई गयीं और पक्के किस्म के बैरिकेड तक लगा दिये गये थे। अभी इसी साल हुए लोकसभा चुनावों के पहले फरवरी में किसानों ने फिर से आंदोलन किया, तो सरकार व पुलिस ने अपनी जनविरोधी मानसिकता का एक और रूप दिखाते हुए हरियाणा व दिल्ली के बीच खाइयां तक खोद दी थीं। एक तरफ केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार खुद को किसान हितैषी बतलाती है, तो दूसरी ओर वह किसानों की मांगों को पूरा करना तो दूर, उनसे बात करने के लिये तक तैयार नहीं है। किसानों द्वारा जिस प्रकार से कृषि कानूनों को वापस लेने के लिये मोदी को मजबूर किया गया, उससे लगता है कि अब सरकार ने तय कर लिया है कि वह आंदोलनकारियों से कोई संवाद नहीं करेगी। किसानों के साथ होने वाला उसका बर्ताव तो कम से कम यही दर्शाता है। कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान करते हुए हालांकि श्री मोदी ने कहा था कि, वे किसानों से एक फोन कॉल की दूरी पर हैं और वे जब भी चाहें उनसे मिल सकते हैं।श उस बात को अब तीन वर्ष हो चुके हैं परन्तु पीएम हों या उनके कोई जिम्मेदार मंत्री, किसी के पास इतना वक्त नहीं हैय और न ही मंशा है कि वे किसानों को सामने बिठाकर बातचीत करें और किसानों को राहत दें। यह भी लोगों को अब तक याद है कि श्री मोदी ने दावा किया था कि 2022 तक वे किसानों की आय को दोगुना करेंगे।

पूजा स्थल के चरित्र को नहीं बदलने का प्रावधान

डॉ. ज्ञान पाठक

अयोध्या में बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किये जाने के 32 साल, तथा 9 नवंबर, 2019 को, भारत के सर्वोच्च न्यायालय की पांच–न्यायाधीशों की पीठ द्वारा दिये गये अयोध्या फैसले के लगभग पांच साल बाद जिसमें राम मंदिर बनाने का फैसला सुनाया गया,अनेक अन्य स्थलों को निशाना बनाया गया है। अयोध्या फैसले के तहत राम मंदिर बना और उसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी, 2024 को कर भी दिया, परन्तु फैसले को आधे–अधूरे ढंग से लागू किया गया, जिसके कारण कई अन्य मस्जिदें और दरगाह नये लक्ष्य बन गये, जिससे देश भर में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक तनाव और वैमनस्य पैदा हो रहा है, जो अयोध्या के फैसले से बढ़ी उम्मीदों के विपरीत है। 2024 के भाजपा के घोषणापत्र में मंदिर के निर्माण को श्लोगों का पांच–सदियों पुराना सपना बताया गया था, जो अब सच हो गया है। इसके बाद तो सांप्रदायिक तनाव पैदा होना और भड़कना बंद हो जाना चाहिए था, लेकिन भाजपा के वैचारिक मूल स्रोत आरएसएस और हजारों सिर वाले सांप्रदायिकतावादी अनियंत्रित हो गये, और काशी और मथुरा में मस्जिद और दरगाह को निशाना बनाया, जो उनकी पुरानी मांग थी। सोमनाथ मंदिर के निर्माण के समय अन्य मस्जिदों और दरगाहों को निशाना नहीं बनाने के लिए हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच समझौता हुआ था। अयोध्या फैसले ने भी पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 को बरकरार रखा जिसमें किसी और पूजा स्थल के चरित्र को नहीं बदलने का प्रावधान है,और जिसे धर्मनिरपेक्षता की पूर्ति घोषित किया, जो भारत के संविधान की एक बुनियादी विशेषता है। कई लक्ष्यों में, बहुप्रकाशित लक्ष्य हैं, टीले वाली मस्जिद, लखानऊ, उत्तर प्रदेशय कुव्वत–उल–इस्लाम मस्जिद, कुतुब मीनार, दिल्लीय ज्ञानवापी मस्जिद, वाराणसी, उत्तर प्रदेशय कमाल मौला मस्जिद, भोजशाला परिसर, मध्य प्रदेशय शम्सी शाही मस्जिद, बदायूं, उत्तर प्रदेशय अटाला मस्जिद, जौनपुर, उत्तर प्रदेशय शाही ईदगाह मस्जिद, मथुरा, उत्तर प्रदेशय जामा मस्जिद, संभल, उत्तर प्रदेश फतेहपुर सीकरी, उत्तर प्रदेश में शेख सलीम चिश्ती की जामा मस्जिद और दरगाहय और अजमेर शरीफ दरगाह, राजस्थान। अन्य कम प्रकाशित लक्ष्य भी हैं। अयोध्या फैसले के पांच न्यायाधीश थे– जस्टिस रंजन गोगोई, एसए बोबडे, डॉ डी वाई चंद्रचूड़, अशोक भूषण और एस अब्दुल नजीर। कई पूर्व न्यायाधीशों ने जहां पर मस्जिद को ध्वस्त किया गया उस जगह पर मंदिर के निर्माण की अनुमति देने वाले इस फैसले की आलोचना की है। सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आरएफ नरीमन ने कहा कि इस मामले में –श्न्याय का एक बड़ा उपहासश यह हुआ कि धर्मनिरपेक्षता को उसका हक नहीं दिया गया। फिर भी, अयोध्या फैसले में पूजा स्थल अधिनियम को बरकरार रखना फैसले के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है, जहां तक सांप्रदायिक तनाव और वैमनस्य पर पूर्ण विराम लगाने का सवाल है। हालांकि, पीठ के एक न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने 2022 के एस निर्णय में पूजा स्थल अधिनियम तथा भारत के संविधान के मूल उद्देश्य की अनदेखी करके एक गंभीर गलती की, जिनमें से किसी में भी सांप्रदायिक तनाव और वैमनस्य की परिकल्पना नहीं की गयी थी। काशी ज्ञानवापी मस्जिद का मामला 2022 में सुप्रीम कोर्ट की सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूजा स्थल अधिनियम 1991 संरचना के धार्मिक चरित्र का पता लगाने पर रोक नहीं लगाता है, भले ही इसका उपयोग बदला न जा सके। इसने मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ मामलों की बाढ़ ला दी, जो अंततरू सांप्रदायिक अशांति का कारण बन रहे हैं। अयोध्या फैसले में भारत की संसद के इरादों का भी उल्लेख किया गया है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा लोकसभा में दिये गये स्पष्टीकरण को उद्धृत किया गया है– हम इस विधेयक को प्रेम, शांति और सद्भाव की हमारी गौरवशाली परंपराओं को प्रदान करने और विकसित करने के उपाय के रूप में देखते हैं। ये परंपराएं एक सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता अनादि काल से हमारी महान सभ्यता की विशेषता रही है। अयोध्या फैसले में पूजा स्थल अधिनियम का उद्देश्य नये विवाद पैदा नहीं करना और पुराने विवादों को नहीं उठाना है, जिन्हें लोग लंबे समय से भूल चुके हैं। फैसले में कहा गया है कि 1991 में संसद द्वारा पारित पूजा स्थल अधिनियम संविधान के मौलिक मूल्यों की रक्षा करता है और उन्हें सुरक्षित रखता है। प्रस्तावना विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और पूजा की स्वतंत्रता की रक्षा करने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

यह मानवीय गरिमा और बंधुत्व पर जोर देती है। सभी धार्मिक विश्वासों की समानता के लिए सहिष्णुता, सम्मान और स्वीकृति बंधुत्व का एक मौलिक सिद्धांत है। पूजा स्थल अधिनियम भारतीय संविधान के तहत धर्मनिरपेक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को लागू करने के लिए एक अपरिवर्तनीय दायित्व लागू करता है। इसलिए यह कानून भारतीय राजनीति की धर्मनिरपेक्ष विशेषताओं की रक्षा के लिए बनाया गया एक विधायी साधन है, जो संविधान की मूल विशेषताओं में से एक है। गैर–प्रतिगमन मौलिक संवैधानिक सिद्धांतों की एक आधारभूत विशेषता है, जिसका एक मुख्य घटक धर्मनिरपेक्षता है। इस प्रकार पूजा स्थल अधिनियम एक विधायी हस्तक्षेप है जो गैर–प्रतिगमन को हमारे धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की एक आवश्यक विशेषता के रूप में संरक्षित करता है। अयोध्या फैसले ने धर्मनिरपेक्षता को एक संवैधानिक मूल्य के रूप में बरकरार रखा, एसआर बोम्मई बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बेंच के फैसले का हवाला देते हुए। इसमें कहा गया है कि पूजा स्थल अधिनियम आंतरिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के दायित्वों से संबंधित है। यह सभी धर्मों की समानता के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सबसे बढ़कर, पूजा स्थल अधिनियम एक गंभीर कर्तव्य की पुष्टि है जो राज्य पर सभी धर्मों की समानता को एक आवश्यक संवैधानिक मूल्य के रूप में संरक्षित और संरक्षित करने के लिए लगाया गया था, एक मानदंड जिसे संविधान की एक बुनियादी विशेषता होने का दर्जा प्राप्त है। पूजा स्थल अधिनियम के अधिनियमन के पीछे एक उद्देश्य निहित है। अयोध्या मामले में फैसले में कहा गया था, श्कानून हमारे इतिहास और देश के भविष्य के बारे में बताता है। हम अपने इतिहास और देश के सामने आने वाली चुनौतियों से वाकिफ हैं, इसलिए आजादी अतीत के घावों को भरने का एक महत्वपूर्ण क्षण था।

बोलने के दावे को कमजोर किया जाए

राजेंद्र शर्मा

क्या क्रोनी कैपीटलिज्म यानी बगलबच्चा पूंजीवाद की संज्ञा पुरानी नहीं पड़ गयी है? क्या विशेष रूप से भारत में हालात अब बगलबच्चा पूंजीवाद से आगे नहीं निकल गए हैं। आम तौर पर देश के राजनीतिक मंच पर और खासतौर पर संसद में पिछले कुछ समय से जो कुछ हो रहा है, उससे तो ऐसा ही लगता है। जहां तक संसद का सवाल है, अब यह करीब–करीब साफ ही हो गया है कि पूरा का पूरा शीतकालीन सत्र मोदी सरकार द्वारा अडानी के बचाव की भेंट चढ़ने जा रहा है। अमेरिका में अडानी की कंपनियों के खिलाफ प्रतिभूति बाजार नियामक तथा एफबीआई की जांच के बाद, भारत में अडानी ग्रुप की सौर बिजली की खरीद का रास्ता साफ करने के लिए, आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों के अधिकारियों को 2 हजार करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत दिए जाने के प्रकरण के अमेरिका से संबंधित मामले में आरोप तय कर मुकद्दमे की कार्रवाई शुरू किए जाने की खबर आने के बाद, संसद में विपक्ष द्वारा जोरदार तरीके से इस मुद्दे का उठाया जाना स्वाभाविक था। लेकिन, जब सरकार के और उसके आधीन नियामक एजेंसियों तथा विभिन्न जांच एजेंसियों के श्अडानी जांच से परे हैश की मुद्रा अपनाने से आगे बढ़कर, मोदी राज ने सदनाध्यक्षों के जरिए यह सुनिश्चित किया कि अडानी का नाम संसद में श्उल्लेख से भी परेश रहना चाहिए, तभी यह तय हो गया था कि संसद के शीतकालीन सत्र में कम से कम सामान्य तरीके से काम–काज नहीं होने जा रहा है। और वही हुआ भी। शीतकालीन सत्र का आधे से ज्यादा हिस्सा, अडानी के मुद्दे पर बहस की विपक्ष की मांग और सत्तापक्ष की किसी भी कीमत पर ऐसी कोई चर्चा नहीं होने देने की जिद के बीच रस्साकशी में ही निकल गया। बहरहाल, इसी दौरान अपने बगलबच्चा पूंजीपति के बचाव के लिए, मोदी राज के अड़े रहने के सिवा और भी काफी कुछ हो रहा था, जो कम दिलचस्प नहीं था। बगलबच्चे की तरह, सत्ता का संरक्षण पा–पाकर ताकतवर हुए इजारेदार पूंजीपति के हिमायतियों का दायरा सिर्फ सत्ता में बैठी ताकतों तक ही सीमित नहीं होता है। उसकी थैलियों के मुंह सत्तापक्ष से बाहर भी संरक्षण हासिल कर लेते हैं या लिए रहते हैं। इसलिए, संसद में जब सत्तापक्ष पर अडानी प्रकरण पर बहस कराने का दबाव एक हद से ज्यादा बढ़ा, विपक्ष की कतारों में इस बगलबच्चा पूंजीवाद के संरक्षत्व को सामने आने के लिए उत्प्रेरित करना शुरू कर दिया गया। विपक्ष की कतारों में इसकी आवाजें उठनी शुरू हो गयीं कि अडानी का मुद्दा कोई सबसे जरूरी मुद्दा नहीं है। पहले शरद पवार ने गौतम अडानी से अपनी दोस्ती की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के जरिए, उसके लिए समर्थन को सामान्य बनाने की कोशिश की। उसके बाद, ममता बैनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने बाकायदा इसका ऐलान कर दिया कि संसद में उसकी प्राथमिकताएं कांग्रेस से भिन्न हैं। अडानी प्रकरण उसकी प्राथमिकता पर नहीं है। अंततरू समाजवादी पार्टी ने भी अपनी ही प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का राग अलापना शुरू कर दिया। इस तरह, लोकसभा चुनावों के बाद से जो नहीं हुआ था, हो गया और अडानी के ही मुद्दे पर विपक्ष की कतारों में दरारें दिखाई देने लगीं। लेकिन, अडानी के बचाव के लिए इतना भी काफी नहीं था। इसकी एक सीधी सी वजह यह थी कि राज्यों के लिए सौर ऊर्जा की आपूर्ति के सौदे में भ्रष्टङ्घाचार का तत्व इस कदर आंखों में गड़ने वाला था कि विपक्ष की कतारों में क्रोनी पूंजीपति के सरपरस्तों की मौजूदगी के बावजूद और विपक्ष में इस मामले पर मतभेद उभर आने के बावजूद, इस मामले का दबना आसान नहीं था। इस पृष्ठङ्घभूमि में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अपनी बढ़ी हुई ताकत के साथ इस मुद्दे पर डटे रहने का नतीजा यह था कि विपक्ष में थोड़ी–बहुत किचकिच के बावजूद, आम तौर पर विपक्ष इस मुद्दे पर कमोबेश एकजुट ही नजर आता था और उसकी आवाज को अनसुना कर के संसद में तथा आम तौर पर राजनीतिक मंच पर सामान्य स्थिति बहाल नहीं की जा सकती थी। अब क्रोनी पूंजीपति के बचाव की उसी दुहरी कार्यनीति का अगला और ज्यादा आक्रामक दांव शुरू किया गया। विपक्ष के स्तर पर, खासतौर पर हरियाणा और अब महाराष्टङ्घ की विपक्ष की चुनावी हार के बहाने से, कांग्रेस पर सीधे हमला बोल दिया गया कि वह विपक्ष का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने में असमर्थ साबित हो रही है। अब ममता बैनर्जी ने सीधे–सीधे विपक्षी कतारबंदी का नेतृत्व संभालने के लिए अपने तैयार होने का ऐलान कर दिया। चुनाव के धक्के से और अन्यान्य कारणों से भी, जिनमें बड़े धनपतियों से चुनावी चंदे हासिल करने में अपनी हिस्सेदारी भी शामिल है, कुछ अन्य विपक्षी पार्टियों ने भी ममता बैनर्जी की दावेदारी को उचित मानने की बातें करनी शुरू कर दीं। असली मकसद यही था कि लड़ाई के बीच में, इस लड़ाई में आगे–आगे चल रही कांग्रेस के, प्रायः समूचे विपक्ष की ओर से बोलने के दावे को कमजोर किया जाए। दूसरी ओर, सत्ताधारी भाजपा ने खुद सीधे कांग्रेस पर यह कहते हुए, सारे विधि–निषेधों को ताक पर रखते अंधाधुंध हमला छेड़ दिया कि अडानी पर हमला, अडानी पर हमला नहीं है, वास्तव में नरेंद्र मोदी के राज पर हमला है, भारत के विकास पर हमला है, आदि। फ्रांसीसी समाचार पोर्टल, मीडियाअपार्ट की एक कथित रूप से खोजी रिपोर्ट के बहाने से और उसके निष्कर्षों पर, अपने ही दावे थोपते हुए।

, स्वतंत्र मीडिया संस्थान आर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करने से आगे बढ़कर, उसकी फंडिंग के बहाने उसे जॉर्ज सोरोस से लेकर, अमरीकी विदेश विभाग तक, भारत विरोधियों का हथियार तो करार दिया ही गया, कांग्रेस को इस भारत–विरोधी षड्यंत्र का कर्ताधर्ता बना दिया गया। और यह सब किसलिए? गौतम अडानी को बचाने के लिए! इसके बहाने से सत्ताधारी पार्टी ने संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई ठप्प करने की जिम्मेदारी खुद ही संभाल ली। इस सब के दूरगामी राजनीतिक नतीजों का तो अभी अनुमान ही लगाया जा सकता है। लेकिन, कांग्रेस के खिलाफ अपने हमले को सत्ताधारी पार्टी ने जिस स्तर पर पहुंचा दिया है, वहां से शेष शीतकालीन सत्र का इसी गतिरोध में निकल जाना तय लगता है। इसके साथ ही यह गौरतलब है कि मोदी राज किस तरह अडानी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं? विपक्ष और उसमें भी खासतौर पर कांग्रेस पर उसका हमला करना तो फिर भी समझ में आ सकता है, लेकिन जिस तरह से इस हमले में अमरीकी शासन तथा राज्य को भी घसीट लिया गया है, वह उसकी बदहवासी को ही दिखाता है। बेशक, इसके लिए विपक्ष को ही नहीं, अमेरिका को भी गाली देकर, वे भारत में अपनी कतारों को यह समझाने में मदद मिलने की उम्मीद कर सकते हैं कि क्यों उनका अडानी को बचाना देश के लिए जरूरी है, वगैरह। लेकिन, उनकी अपनी कतारों से भी यह विडंबना पूरी तरह से छुपी तो नहीं रह सकती है कि भारत के विरुद्घ विदेशी षड्यंत्रश का यह बहाना एक ऐसी सरकार बना रही है, जो सबसे ज्यादा अमेरिका के इशारों पर चलने वाली सरकार रही है। श्विदेशी हाथश के इंदिरा गांधी के नारे का इस्तेमाल करने की कोशिश अब एक ऐसी सरकार कर रही है, जो अमरीकी राष्टङ्घपति चुनाव तक में अपनी भूमिका तलाश करती आई है। इस सबसे तो ऐसा ही लगता है कि बात क्रोनी कैपीटलिस्ट यानी बगलबच्चा पूंजीपति पर कृपा बनाए रखने, उसे मुसीबतों से बचाने से बहुत आगे निकल चुकी है। अब हम माई–बाप पूंजीवाद या ओनर कैपीटलिज्म के कारनामे देख रहे हैं। क्रोनी यानी बगलबच्चे को एक हद तक ही बचाया जा सकता है। बात उस हद से आगे चली जाए, तो उसे डूबने के लिए छोड़ा भी जा सकता है। लेकिन, माई–बाप पूंजीपति तो माई–बाप पूंजीपति है।

एमएसपी और कर्ज माफी की मांग

रोहित माहेश्वरी

एमएसपी और कर्ज माफी की मांग को लेकर किसान फिर से सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों का मुद्दा संसद में भी गूंज रहा है और सरकार उनकी मांगों का हल निकालने की बात कह रही है। राज्यसभा में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देना चाहते हैं और इस पर काम चल रहा है। केंद्रीय मंत्री के बयान से इतर किसानों का मसला सुलझाना इतना भी आसान नजर नहीं आ रहा है। जानकारों का कहना है कि किसानों की मांग और सरकारी सिस्टम के बीच कुछ बिन्दु ऐसे हैं जिसकी वजह से हाल के दिनों में इसके सुलझने के आसार कम ही दिख रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) के मुताबिक किसानों की सबसे बड़ी मांग सभी फसलों को एमएसपी की गारंटी देने की है। किसान संगठन चाहते हैं कि फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएस स्वामीनाथन की सिफारिश वाला फॉर्मूले हो। किसान संगठनों की दूसरी बड़ी मांग गन्ना और हल्दी को लेकर है। संगठन का कहना है कि गन्ना की खरीदी भी स्वामीनाथन की सिफारिश पर ही की जानी चाहिए। किसानों की एक अन्य मांग कृषि क्षेत्र को प्रदूषण से बाहर रखने की भी है। आंदोलन के अगुवा सरवन सिंह पंढेर के मुताबिक हमारी कुल 12 मांगें है, जिस पर पहले भी सरकार से बातचीत हो चुकी है। सरकार ने पहले इस पर ठोस एक्शन की बात कही थी, लेकिन अब सरकार सुन नहीं रही है। असल में किसानों की मांग के बीच विश्व व्यापार संगठन के पेच हैं। किसान सभी फसलों पर एमएसपी की लीगल गारंटी चाहते हैं। अगर केंद्र लीगल गारंटी देती है तो सभी सभी फसलों की खरीदारी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही उसे करनी होगी, लेकिन इसमें एक पेच विश्व व्यापार संगठन का है। विश्व व्यापार संगठन व्यापार से जुड़े वैश्विक नियमों को तय करने वाला अंतरराष्ट्रीय संगठन है। भारत विश्व व्यापार संगठन का संस्थापक सदस्य है और उसके शर्तों पर हस्ताक्षर कर चुका है। डब्ल्यूटीओ ने अपनी शर्तों में न्यूनतम समर्थन मूल्य को गारंटी न देने की बात कहा है। विश्व व्यापार संगठन सिर्फ सब्सिडी देने की बात कहता है। यानी सरकार अगर इसे लागू करती है तो उसे पहले डब्ल्यूटीओ की सदस्यता छोड़नी होगी, जो कि आसान नहीं है। यही वजह है कि हाल के दिनों में किसान संगठनों ने डब्ल्यूटीओ के खिलाफ भी मोर्चा खोल रखा है। कृषि राज्य का मसला है– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 246 में कृषि का जिक्र है। इसमें कृषि को राज्य का विषय बताया गया है। हालांकि, योजना लागू करने और अन्य अधिकार केंद्र के पास भी है। 2020 में संसद के मानसून सत्र में तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सांसद फूलो देवी नेताम के एक सवाल के जवाब में भी कृषि को राज्य का मसला बताया था। यानी राज्य ही इस पर बड़ा फैसला ले सकती है। अभी किसान अपनी मांगों को केंद्र से मनवाने पर अड़ी है। किसान संगठनों का कहना है कि केंद्र इस मसले पर बिल लेकर आए और संसद से पास कराए। विपक्ष भी इस मांग को उठा रही है, लेकिन केंद्र अगर ऐसा करती है तो यह संवैधानिक संकट के दायरे में आ जाएगा। अगर इसे कोर्ट में चौलेंज किया जाए तो नए सिरे से बहस छिड़ सकती है, जिससे केंद्र पर ही सवाल उठेगा। क्योंकि, अगर इसे राज्य स्वीकार कर लेती है तो भविष्य में पुलिस और अन्य राज्य के मसले में भी केंद्र दखल दे सकती है। वही मसला यह भी है कि लागत कैसे तय हो, यह भी सवाल– एक पेच फसलों की लागत को लेकर भी है। आंदोलनकारियों का कहना है कि लागत किसान ही तय करें, तभी बात बन सकती है। किसान संगठनों का कहना है कि स्वामीनाथन के फॉर्मूले को वर्तमान की महंगाई के हिसाब से तय किया जाए. जब यह रिपोर्ट बनाई जा रही थी, तब मजदूरों को कम पैसे देने पड़ते थे, लेकिन अब मजदूरी सबसे ज्यादा बोझ हो गया है। किन फसलों पर मिले एमएसपी इस पर भी संशय है। सरकार उन फसलों पर ही एमएसपी देना चाह रही है, जो वर्तमान में डिमांड में है। इनमें दलहन और तिलहन की फसलें हैं। सरकार ने हालिया एमएसपी की लिस्ट में इन फसलों की दामों में बढ़ोतरी भी की है। उत्तर और दक्षिण भारत के अधिकांश किसान रबी में गेहूं और खरीफ धान उपजाने का काम करता है। किसानों को इसी का ज्ञान भी है। ऐसे में किसान क्या करे? किसान संगठन सभी फसलों पर संपूर्ण एमएसपी देने की मांग कर रहा है. किसानों के मुद्दे पर बीते दिनों राज्यसभा के सभापति उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहाकि, ''कृषि मंत्री जी, एक–एक पल आपका भारी है। मेरा आपसे आग्रह है और भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपा कर मुझे बताएं कि क्या किसानों से वायदा किया गया था? वायदा क्यों नहीं निभाया गया? वायदा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? गत वर्ष भी आंदोलन था, इस वर्ष भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं!'' हालांकि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी पर कुछ नहीं कहा और इस संबंध में गठित समिति पर भी सवाल नहीं किया, लेकिन उपराष्ट्रपति के रूप में किसानों को एक ताकतवर, सशक्त पैरोकार मिला है। शिवराज भी जून, 2024 में ही कृषि मंत्री बने हैं। जो भी वायदे किए गए होंगे, वे नरेंद्र तोमर और अर्जुन मुंडा के कृषि मंत्री काल के होंगे! बहरहाल भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का 17 फीसदी से अधिक का योगदान है और देश के कार्यबल में करीब 47 फीसदी कृषि और किसान का योगदान है। देश की करीब दो–तिहाई आबादी कृषि के भरोसे है, लेकिन आज भी किसान की औसत आय 16,928 रुपए माहवार है। किसान की आय से अधिक खर्च बढ़े हैं और प्रति किसान 91,000 रुपए से अधिक का कर्ज है। यदि एक बार फिर राजधानी दिल्ली या उसके आसपास के क्षेत्रों में किसान लामबंद होकर आंदोलन छेड़ते हैं, तो चौतरफा जन–व्यवस्था अराजक हो जाएगी। जब पिछला किसान आंदोलन समाप्त कराया गया था, तो खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया था। एक समिति गठित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल को सौंपी गई थी। उन्हें तीन कथित काले कृषि कानूनों का प्रारूपकार माना जाता रहा है। उस समिति की बीते दो साल से अधिक अवधि के दौरान करीब 100 बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन समिति की रपट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है। कृषि विशेषज्ञों का एक तबका मानता है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी कोई समाधान नहीं है। सिर्फ खुला बाजार देने से ही किसान के हालात बदल सकते हैं, लेकिन आंदोलित किसानों की सबसे अहम मांग यही है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए। किसान इस बार आर–पार के आंदोलन के मूड में हैं, लेकिन सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक संकेत अभी तक नहीं आया है। अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों ने दिल्ल्ली कूच का इरादा कुछ समय के लिए टाल दिया है लेकिन वे हाईवे पर जमे हुए हैं।

थायराइड मरीजों की दुश्मन है ये 7 चीजें, भूलकर भी ना खाएं

थायराइड रोग आजकल हर 10 में से 6वें व्यक्ति की परेशानी बना हुआ है। पुरुषों के मुकाबले महिलाएं इसकी तीन गुना ज्यादा शिकार है। इसके कारण ना सिर्फ पीरियड्स साइकल बिगड़ जाता है बल्कि इसकी वजह से महिलाओं को कंसीव करने की भी परेशानी होती है। हालांकि थायराइड को सही डाइट

से कंट्रोल किया जाता है लेकिन ऐसे पेशेंट को कोई भी चीज बहुत सोच–समझकर खानी चाहिए क्योंकि कुछ ऐसे फूड्स भी हैं जो थायराइड की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताएंगे, जो थायराइड मरीजों के लिए जहर समान है। चलिए जानते हैं किन चीजों से रखें परहेज...

कैल्शियम फूड्स

कैल्शियम फूड्स थायराइड मरीजों के लिए हानिकारक नहीं है लेकिन इसे लेने के कम से कम 4 घंटे बाद दवा खाएं। इनका एक साथ सेवन हार्मोन्स को असंतुलित कर सकता है, जिससे थायराइड ग्लैंड भी असर पड़ता है।

मूली

अध्ययनों के अनुसार, थायराइड मरीजों को मूली नहीं खानी चाहिए। इसकी बजाए डाइट में धनिया, करी पत्ता, मखाना और नारियल आदि लें।

चाय या कॉफी

दवा और डाइट के बावजूद भी थायराइड कंट्रोल नहीं हो रहा तो इसका कारण चाय या कॉफी हो सकता है। इसमें कैफीन होता है जो थायराइड की समस्या को बढ़ा सकता है।

सोया फूड्स

हाइपोथायरायडिज्म में सोया फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह आयोडीन के अवशोषण में बाधा डालता है। इससे आपकी समस्या बढ़ सकती है।वहीं, सोयाबीन्स में मौजूद फाइटोएस्ट्रोजेन थायराइड हार्मोन बनाने वाले एंजाइम की कार्यप्रणाली को खराब कर सकते हैं।

ग्लूटेन फूड्स

थायराइड के मरीज है तो ग्लूटेन फूड्स का सेवन भी बंद कर दें। इससे शरीर में सूजन बढ़ सकती है। इसकी बजाए डाइट में साबुत अनाज लें।

रेड मीट

रेड मीट का सेवन भी सीमित मात्रा में करें क्योंकि इसमें सैचुरेटेड फैट और कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है। इससे फैट बढ़ता है और शरीर में जलन भी हो सकती है।

पत्तागोभी

पत्ता गोभी और फूलगोभी में गोइट्रोजन अधिक होते हैं, जो थायराइड की समस्या को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप इसका सेवन सीमित मात्रा में करें।

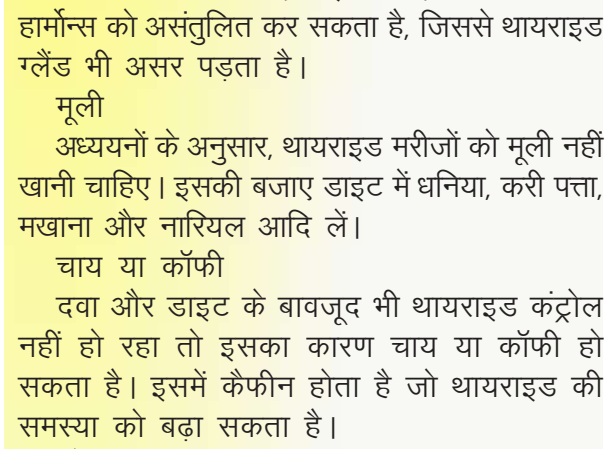

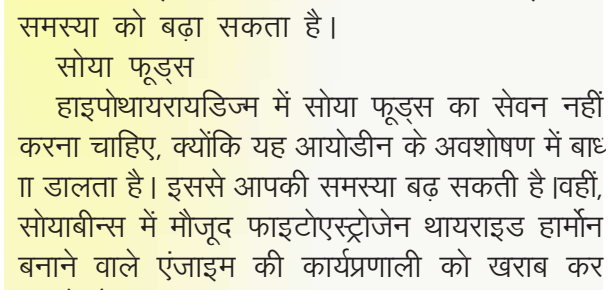

पार्टनर को हेल्दी रखने के लिए रुटीन में शामिल करें ये गुड़ हैबिट्स

हर महिला अपने पार्टनर को एकदम फिट एंड फाइन देखना चाहती है। ऐसे में वे उनकी डेली डाइट व अन्य जरूरतों का खास ध्यान रखती है। मगर फिर भी उम्र बढ़ने के साथ बीमारियों की चपेट में आने का खतरा रहता है। इसे मनाने का उद्देश्य पुरुषों की सेहत के प्रतध्ि लोगों को जागरूक करना है।

वहीं पुरुष आमतौर पर अपनी सेहत पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। मगर उम्र बढ़ने से बीमारियों की चपेट में आने का खतरा ज्यादा रहता है। ऐसे आप अपने पार्टनर को सेहतमंद रखने के लिए उनकी डेली रूटीन में कुछ अच्छी आदतें डाल सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में...

हेल्दी रहने के लिए आउटडोर एक्टिवटी करना बेस्ट ऑप्शन है। आप सुबह या शाम के समय पार्टनर के साथ टेनिस, बैडमिंटन या कोई और गेम खेल सकते हैं। इसके अलावा आप एक साथ मिलकर योगा भी कर सकते हैं। इससे आपके पूरे शरीर की अच्छे से एक्सरसाइज हो जाएगी। इससे मेटाबॉलिज्म रेट तेज होगा और वजन कम करने में मदद मिलेगी। ऐसे में बीमारियों से बचाव रहेगा।

ज्यादा मीठा खाने से सेहत को नुकसान झेलना पड़ सकता है। वहीं 30 के बाद तो सेहत को खास ध्यान की जरूरत होती है। ऐसे में पार्टनर को मीठे से दूर रखें। वहीं दूध या चाय में भी चीनी डालकर पीने से डायबिटीज व वजन बढ़ने का खतरा रहता है। ऐसे में उन्हें हेल्दी फूड खाने के लिए प्रेरित करें। आप मीठे में उनके लिए गुड़, शहद, ब्राउन शुगर आदि हेल्दी ऑप्शन चुन सकती है। इसके अलावा मीठे की क्रेविंग होने पर पार्टनर को फल खाने के लिए कहें। इससे उनकी मीठे की क्रेविंग कम होगी। इसके साथ ही बीमारियों के लगने व वजन बढ़ने की समस्या से बचाव रहेगा।

पार्टनर की डेली डाइट में विटामिन ए, बी12, सी, ओमेगा 3, फोलेट, आयरन, एंटी–ऑक्सीडेंट आदि से भरपूर चीजें शामिल करें। इससे उनका शारीरिक व मानसिक स्वस्थ बरकरार रहने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही वे दिनभर एनर्जेटिक रहेंगे। इसके लिए पार्टनर की डेली डाइट में सूखे मेवे, हरी सब्जियां, फल, जूस, सूप आदि शामिल करें।

पुरुषों का भी समय पर हेल्थ चेकअप करवाना चाहिए

महिलाओं की तरह पुरुषों को भी 30 के बाद कुछ हेल्थ चेकअप करवाने चाहिए। अगर आपके पार्टनर को भूख ज्यादा लगती है तो उनका कोलेस्ध्ट्रॉल लेवल चेक करवाएं। इसके साथ ही इन्हें थायरॉइड, बीपी, डायबध्टिीज आदध्ि चेकअप भी हर 2 महीने में करवाना चाहिए। इसके अलावा किसी बीमारी के लक्षण दिखने पर उसे इंग्नोर करने की जगह तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। एक्सपर्ट अनुसार, पुरुषों को 30 के बाद ईएनटी स्पेशलिस्ट के पास भी जरूर जाना चाहिए।

पार्टनर को अगर ज्ध्यादा गुस्ध्सा आए तो करें ये काम

पार्टर गुस्सा आना सेहत पर बुरा प्रभाव डालता है। इससे शारीरिक व मानसिक स्वस्थ पर गहरा व बुरा असर पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पार्टनर जरूरत से ज्यादा गुस्सा करते हैं तो उन्हें समझने की कोशिश करें। उनके गुस्से का कारण ढूंढकर उनकी समस्या को सुलझाएं। अगर वे मानसिक समस्या से पीड़ित हैं तो आप इन्हें मनोरोग वध्शिेषज्ञ के पास भी लेकर जा सकते हैं।

पार्टनर की इन आदतों को बदलें

. अगर आपके पति को एल्ध्कोहॉल, सध्गिरेट, ड्रग्ध्स आदि की आदत है तो उनकी यह लत छुड़वाने का ट्रीटमेंट करवाएं।

. पार्टनर अगर आलस के कारण फध्जिकल वर्कआउट से दूर भागते हैं तो उन्हें एक्टिव रहने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए आप उनके साथ एक्सरसाइज कर सकती हैं।

. पति की देर रात में सोने की आदत बदलें। अनिद्रा के कारण उन्हें सेहत से जुड़ी कई परेशानियां हो सकती हैं।

. पार्टनर को बाहर का जंक या फास्ट फूड खाने की आदत छुड़वाकर घर का भोजन खिलाने के लिए प्रेरित करें।

. कई पुरुष काम में बिजी होने से सही मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। इससे उन्हें डिहाइड्रेशन हो सकती है। ऐसे में आप उन्हें रोजाना 2–3 लीटर पानी पीने के लिए प्रेरित करें।

नाक की झाइयों को कहें अलविदा, अपनाएं ये 7 टिप्स

कई महिलाएं चेहरे पर पड़ी झाइयों से परेशान रहती हैं। ये आमतौर पर शरीर के किसी भी हिस्से पर हो सकती है। मगर ज्यादातर महिलाएं नाक पर पड़ी झाइयों का सामना करती है। यह स्किन पिगमेंटेशन के कारण होती है। इसकी वजह से त्वचा की रंगत बदलने लगती है। एक्सपर्ट अनुसार, मेलानिन जो स्किन के सेल्स से ही बनते हैं, स्किन के रंगत में पिगमेंटेशन के होने का सबसे बड़ा कारण है। मगर आप इसे कम करने के लिए कुछ कारगर उपाय अपना सकती है। चलिए जानते हैं इनके बारे में...

विटामिन– सी सप्ध्लीमेंट्स

अगर आप नाक पर पड़ी झाइयों से परेशान हैं तो इसे कम करने के लिए विटामिन–सी के सप्लीमेंट्स का सहारा ले सकती है। ये फ्री रेडिकल्स और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में कारगर होती है। आप चाहें तो अपनी डेली डाइट में एंटी–ऑक्सीडेंट से भरपूर चीजों का सेवन भी कर सकती है। इससे आपकी नाक पर पड़ी झाइयों को कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा आप स्किन केयर ऐसे प्रोडक्ट्स शामिल करें जिसमें विटामिन–सी, रेटिनॉल और फेरूलिक एसिड मौजूद हो।

स्किन ब्राइटनिंग पील्स

नाक पर पड़ी झाइयों के बचने के लिए स्किन ब्राइटिंग पील्स का सेवन भी किया जा सकता है। इसमें कोजिक एसिड, फाइटिक एसिड, एस्कॉर्बिक एसिड होता है। ये मेलानिन के प्रोडक्शन को ब्लॉक करने का काम करते हैं। ऐसे में झाइयां कम होने में मदद मिलती है।

लेजर ट्रीटमेंट

नाक पर पड़ी झाइयां खूबसूरती बिगाड़ने का काम करती है। ऐसे में आप इससे बचने के लिए लेजर ट्रीटमेंड भी करवा सकती है। इस ट्रीटमेंट में लेजर लाइट स्किन पर जमा मेलानिन को अब्ध्जॉर्ब करने में मदद करता है। इससे निकलने वाली हीट त्वचा पर मौजूद डार्क सेल्स को खत्म करने का काम करती है। इससे झाइयां कम होने के साथ स्किन साफ व मुलायम नजर आती है।

चलिए अब जानते हैं कुछ देसी नुस्खे

एलोवेरा आएगा काम

आप नाक पर पड़ी झाइयों को कम करने के लिए एलोवेरा यूज कर सकती हैं। एलोवेरा में मौजूद एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–वायरल, एंटी–एजिंग गुण त्वचा की रंगत को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके लिए सोने से पहले चेहरे को साफ करके इसपर एलोवेरा जेल से मसाज करें। अगर सुबह गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इससे आपकी नाक पर पड़ी झाइयां कम होने लगेगी। इसके साथ ही स्किन साफ, निखरी व मुलायम होगी।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर यानि सेब का सिरका भी झाइयां कम करने में कारगर मानी गई है। इसमें मौजूद एसिटिक एसिड स्किन पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक कटोरी में 1–1 चम्मच सिरका व पानी मिलाएं। तैयार मिश्रण को कॉटन की मदद से प्रभावित जगह पर लगाएं। 1 मिनट हल्के हाथ से मसाज करें। फिर 2–3 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में गुनगुने पानी से इसे साफ कर लें।

ब्लैक टी वॉटर

नाक पर होने वाली झाइयों को कम करने के लिए आप ब्लैक टी वॉटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप पानी में एक बड़ा चम्मच ब्लैक टी डाल कर उबाल लें। फिर इसे छान कर 2–3 घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। इसके बाद टी वॉटर में कॉटन में लेकर नाक पर होने वाले पिगमेंटेशन वाले हिस्से पर लगा लें।

ग्रीन टी एक्सट्रेक्ट

झाइयों को कम करने में ग्रीन टी एक्सट्रेक्ट भी फायदेमंद माना जाता है। यह स्किन पिगमेंटेशन को रोकने में मदद करता है। ऐसे में त्वचा पर पड़े डार्क पैचेच कम हो सकते हैं। इसके लिए टी बैग्स को 2–3 मिनट तक गर्म पानी में रखें। इसके बाद बैग्स को पानी से निकालकर ठंडा करें और प्रभावित जगह पर लगाएं। 5 मिनट तक इससे नाक की मसाज करें। दिन में 2 बार इसे लगाने से आपको कुछ ही दिनों में फर्क नजर आएगा।

अब ये चाय करेगी आपका वेट लॉस और रखेंगी हेल्दी

फिट और हेल्दी रहने के लिए लोग अलग–अलग काम करते हैं। इसके अलावा वे अपनी डेली डाइट में भी कई बदलाव करते हैं। वहीं बहुत से लोग इसके लिए वीगन डाइट भी अपनाते हैं। मगर क्या आपने कभी वीगन चाय पी है? जी हां, आप अपनी रोजाना की चाय को वीगन टी से बदल सकते हैं। चलिए आज हम आपको वीगन चाय बनाने का तरीका व इसके फायदे बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं वीगन टी के बारे में...

आमतौर पर चाय गाय, भैंस, बकरी आदि पशुओं के दूध से बनाई जाती है। मगर वीगन चाय बनाने में पशुओं का दूध इस्तेमाल नहीं होती है। इसे बनाने के लिए प्लांट बेस्ट मिल्क जैसे कि आल्मंड या सोय मिल्क इस्तेमाल किया जा सकता है।

सामग्री

वीगन मिल्क जैसे बादाम का दूध या सोया मिल्क– 1 कप

पानी– 1/4 कप

चाय पत्ती–1 चम्मच

ब्राउन शुगर या गुड़– स्वाद अनुसार

चाय मसाला– 1/2 छोटी चम्मच

अदरक– 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया)

पुदीना– 3 या 4 पत्ती

विधि

. पैन में पानी गर्म करके चाय पत्ती, ब्राउन शुगर या गुड़ डालकर उबालें।

. पानी उबलने के बाद इसमें चाय मसाला, अदरक, पुदीने की पत्ती डालकर 2 मिनट तक उबालें।

. अब इसमें दूध मिलाकर लगातार चाय को चलाते हुए ध ीमी आंच पर उबालें।

. 1–2 मिनट तक इसे पकाएं। तैयार वीगन चाय को कप में डालकर सर्व करें।

वीगन चाय के फायदे

. इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

वीयन चाय में एंटी–ऑक्सीडेंट होते हैं। इसका सेवन करने से इम्यूनिटी तेजी से बूस्ट होती है। ऐसे में सर्दी, खांसी व अन्य मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है।

. दिल रखे स्वस्थ

इसका सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहने में मदद मिलती है। ऐसे में हार्ट अटैक आने व दिल संबंधी बीमारियां होने का खतरा कम रहता है।

वजन घटाने में मददगार

वीगन टी में फैट कम मात्रा में होता है। इसे पीने से शरीर में एक्स्ट्रा चर्बी तेजी से कम होती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को वजन घटाने के लिए अपनी रोजाना की चाय को वीगन टी से बदलना चाहिए।

हाई ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए। इसके सेवन से हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहने में मदद मिलती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट अनुसार, वीगन टी नार्मल चाय से बेहतर ऑप्शन है।

इसका सेवन करने से शरीर का शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

इसका सेवन करने से पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं दूर रहती है। इससे अपच, एसिडिटी, सीने में जलन व दर्द से भी आराम मिलता है।

कॉमेडियन सुनील पाल अपहरण केस : अगवा कर मेरठ में 24 घंटे बनाया बंधक, मोटी रकम वसूल कर सड़क पर छोड़ा

मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल को शो कराने के नाम पर दो दिसंबर को अगवा कर लिया गया। अपहरणकर्ताओं ने उन्हें 24 घंटे तक मेरठ में बंधक बनाकर रखा। इसके बाद उनसे ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए आठ लाख रुपये लेकर बाद में छोड़ दिया गया। सुनील पाल को आंखों पर पट्टी बांधकर एक घर में रखा गया। फिरौती की रकम से शहर से आभूषण खरीदने के बाद ज्वेलर्स के बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। इसको लेकर कॉमेडियन ने मुंबई के सांताक्रुज थाना पुलिस मामला दर्ज कराया है। वहीं, अब मेरठ के ज्वेलरी विक्रेता का अकाउंट फ्रीज कर दिया गया है। बता दें कि अपहरणकर्ताओं ने मेरठ सदर थाना क्षेत्र के आकाश गंगा ज्वेलर्स से करीब से करीब चार लाख रुपए के आभूषण खरीदे थे। इसके बाद आरोपियों ने लालकुर्ती के सर्राफा व्यापारी अक्षित सिंघल की दुकान से करीब 2.25 लाख रुपए की खरीदारी की। दोनों ही जगह से सुनील पाल के नाम से आभूषण के बिल बनवाए गए। इसके लिए सुनील पाल के आधार कार्ड और पैन कार्ड दिए। सुनील पाल के मोबाइल से ही ऑनलाइन रकम ज्वेलर्स के खाते में ट्रांसफर कर दी।

सर्राफ ने इस मामले की शिकायत लालकुर्ती थाने में दर्ज कराई है। वहीं इस पूरे मामले में मेरठ के एसएसपी ने भी जांच की बात कही है।

जानकारी के अनुसार, कॉमेडियन सुनील पाल को दो दिसंबर की रात हरिद्वार में किसी इवेंट में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके लिए वह दो दिसंबर को मुंबई से दिल्ली फ्लाइट से आए। आरोप है कि पांच–छह आरोपियों ने दिल्ली में उनका अपहरण कर लिया। अपहरणकर्ता उन्हें कार में बैठाकर मेरठ ले गए। इस दौरान उनकी आंखों पर पट्टी बांध रखी थी। जिससे वह कुछ देख नहीं पाए। इसके बाद सुनील पाल को मेरठ की सड़क पर छोड़कर बदमाश फरार हो गए। ज्वेलर्स अक्षित सिंघल का खाता फ्रीज होने और मुंबई पुलिस की कॉल आने पर पूरा मामला सामने आया। वहीं पुलिस अब इस मामले में दो दिसंबर की रात से तीन दिसंबर की रात तक की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वहीं अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बाहर आए मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल का एक वीडियो सामने आया है। उन्होंने अपने फैंस के साथ शेयर करते हुए कहा, दोस्तों अब मैं बिल्कुल ठीक हूं। दो तारीख को मेरी किडनैपिंग हुई थी, लेकिन अब मैं पूरी तरह सुरक्षित हूं। आपका प्यार और दुआ हमेशा मेरे साथ रही है, इसके लिए मैं दिल से शुक्रगुजार हूं। आगे कहा, बाकी सारी जानकारी मैं आपको धीरे–धीरे बताता रहूंगा। फिलहाल, बस ये जान लीजिए कि मैं ठीक हूं। यह घटना दिल्ली के बॉर्डर से मेरठ की तरफ हुई थी। बाकी की बातें समय आने पर आपको बताऊंगा। आप सभी की दुआ और समर्थन मेरे साथ है, हमेशा रहेगा।

बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट रही पुष्पा 2 की सक्सेस पर इस एक्टर ने कसा तंज, कहा–भीड़ का मतलब क्वालिटी नहीं है

5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2 का खुमार सिर चढ़कर बोल रहा है। वीक डे में भी फिल्म के शो फुल जा रहे हैं और कमाई के मामले में इसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जहां थिएटर्स में मूवी देखकर आने वाले लोग इसे फुल पैसा वसूल बता रहे हैं, वहीं एक्टर ने अल्लू की पुष्पा 2 पर तंज कसा है। सिद्धार्थ हाल ही में एक इवेंट में गए थे जहां पर उन्होने पुष्पा 2 के ट्रेलर लॉन्च पर इकट्ठा हुए फैंस की तुलना जेसीबी से कर दी। उन्होंने कहा–हमारे देश में, जेसीबी से खुदाई करने पर भी भीड़ जुट जाती है। इसलिए, बिहार में अल्लू अर्जुन को देखने के लिए लोगों का जमा होना कोई असाधारण बात नहीं है। अगर वो ऑर्गनाइज होते हैं, तो भीड़ तो होगी ही। भारत में, भीड़ का मतलब क्वालिटी नहीं है, अगर यह सच है तो सभी राजनीतिक दलों को जीतना चाहिए, यह बिरयानी के पैकेट और क्वार्टर बोतल के लिए है। सिद्धार्थ के इस बयान के बाद अल्लू के फैंस उनके खिलाफ भड़क गए हैं और उन्हें खरी खोटी सुना रहे हैं। ववहीं बात करें पुष्पा 2 की तो अल्लू अर्जुन ने सुकुमार निर्देशित फिल्म में पुष्पा राज का किरदार निभाया है। फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल अहम किरदार में नजर आए हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा को इस नाम से पुकारती है सोनाक्षी सिन्हा, बेहद प्यारे अंदाज में पिता को किया बर्थडे विश

अपने पिता के 79वें जन्मदिन पर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने उन्हें बेहद खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने पिता के साथ पोज देते हुए एक पुरानी तस्वीर साझा की। तस्वीर में उन्होंने हैप्पी बर्थडे स्टिकर लगाया और उन्हें किंग खामोश बताया। यानी कि वह अपने पापा को इस नाम से पुकारती हैं। शत्रुघ्न ने 1980 में पत्नी पूनम सिन्हा से शादी की थी। दंपति के तीन बच्चे हैं जिनमें सोनाक्षी, लव और कुश सिन्हा शामिल हैं। शत्रुघ्न के दोस्त और अभिनेता जैकी श्रॉफ, जिनके साथ उन्होंने जवाब हम देंगे और युद्ध जैसी फिल्मों में काम किया है, ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दोनों सितारों की एक तस्वीर पोस्ट की। जैकी ने लिखा रुहैप्पीबर्थडे और साथ में एक नीला दिल वाला इमोजी भी लगाया। शत्रुघ्न, जो लोकसभा सांसद हैं, ने पहली बार अभिनय की शुरुआत देव आनंद की फिल्म प्रेम पुजारी में एक पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी की भूमिका निभाकर की थी। बाद में वह प्यार ही प्यार, बनफूल, मनमोहन देसाई की रामपुर का लक्ष्मण, भाई हो तो ऐसा में खलनायक की भूमिका में नजर आये। उन्हें 1973 में फिल्म सबक में उनकी पत्नी पूनम के साथ कास्ट किया गया था। उन्होंने रास्ते का पत्थर, यार मेरी जिंदगी, शान और काला पत्थर जैसी फिल्मों में अमिताभ बच्चन के साथ अभिनय किया।

सिन्हा को आखिरी बार 2018 में यमला पगला दीवाना फिर से में स्क्रीन पर देखा गया था, जहां उन्होंने जज सुनील सिन्हा की भूमिका निभाई थी। सोनाक्षी की बात करें तो, जो वर्तमान में अपने पति जहीर इकबाल के साथ अपने वैवाहिक जीवन का आनंद ले रही हैं, अगली बार "निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस" में दिखाई देंगी, जो एक थ्रिलर है। इसमें अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नैयर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं और यह सोनाक्षी के भाई कुश एस सिन्हा की निर्देशन में पहली फिल्म है।

जब चार्ली चैंपलिन ने की थी श्री 420 में राज कपूर के शानदार प्रदर्शन की तारीफ

राज कपूर की श्री 420 (1955) भारतीय सिनेमा की सबसे मशहूर फिल्मों में से एक है। स्वयं राज कपूर द्वारा निर्देशित और निर्मित इस फिल्म ने अपनी मार्मिक कहानी और मनमोहक प्रदर्शन के लिए व्यापक आलोचनात्मक प्रशंसा अर्जित की। इसके प्रशंसकों में प्रसिद्ध चार्ली चौपलिन भी थे, जो कपूर के प्रतिष्ठित आवारा चरित्र के चित्रण से बहुत प्रभावित थे। चौपलिन, जो अपने स्वयं के प्रतिष्ठित आवारा व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने श्री 420 में कपूर के दलित लेकिन आशावान व्यक्ति के चित्रण में एक उल्लेखनीय समानता देखी। फिल्म देखने के बाद, चौपलिन ने कथित तौर पर कहा, राज कपूर का आवारा व्यक्ति मेरे जितना ही करीब है जिसे मैंने देखा है।" उन्होंने श्रमिक वर्ग की भावनाओं को समाहित करने की कपूर की क्षमता की प्रशंसा की, जो लचीलेपन और आशावाद का एक सार्वभौमिक प्रतीक है। सिनेमा की महानतम शख्सियतों में से एक की यह प्रशंसा राज कपूर की अपनी कला में निपुणता का प्रमाण है। अपने सम्मोहक प्रदर्शन के अलावा, राज कपूर की श्री 420 को अपने अनोखे फैशन के लिए भी पहचान मिली। बड़े आकार के कोट, बैगी पतलून और एक झुकी हुई टोपी के साथ ट्रैम्प लुक कपूर के चरित्र का पर्याय बन गया, जो आकर्षण के साथ भेद्यता का मिश्रण था। ऑन–स्क्रीन और ऑफ–स्क्रीन दोनों जगह दर्शकों के बीच घुलने–मिलने की उनकी क्षमता ने एक सदाबहार आइकन के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत कर दिया। राज कपूर की 100वीं जयंती का सम्मान करने के लिए, आर.के. फिल्म्स, फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन और एनएफडीसी–नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया प्रस्तुत कर रहे हैं राज कपूर 100 – महानतम शोमैन की शताब्दी का जश्न। 13 से 15 दिसंबर, 2024 तक उनकी दस प्रतिष्ठित फिल्में 40 शहरों और 135 सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएंगी, जिनमें पीवीआर–इनॉक्स और सिनेपोलिस थिएटर भी शामिल हैं। मात्र 100 की कीमत वाले टिकटों के साथ, यह कार्यक्रम दर्शकों को बड़े पर्दे पर उनके कालातीत जादू को फिर से जीने के लिए आमंत्रित करता है, उनकी विरासत को परिभाषित करने वाली समावेशिता और कलात्मकता का जश्न मनाता है।

विक्की कौशल के लिए कैटरीना कैफ की प्यारी सालगिरह पोस्ट आपको हैरान कर देगी

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने अपनी तीसरी शादी की सालगिरह मनाई और इस अवसर पर पूर्व ने अपने पति के लिए एक प्यारी सी पोस्ट शेयर की। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कैटरीना ने विक्की के साथ एक प्यारी सी सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उन्होंने उन्हें श्जानश कहा। तस्वीर में कैटरीना बेहद खूबसूरत लग रही थीं और उन्होंने अपने लुक को चश्मे से और भी बेहतर बनाया। वहीं, विक्की ब्लैक टी–शर्ट और स्टाइलिश ब्लैक सनग्लासेस में बेहद कूल लग रहे थे। कैटरीना ने अपने पोस्ट पर कैप्शन लिखा, श्दिल तू, जान तूश्, जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गए। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए करीना कपूर खान ने कमेंट सेक्शन में दो लाल दिल वाले इमोजी शेयर किए। विक्की और कैटरीना ने 9 दिसंबर, 2021 को राजस्थान के सिक्स सेंस फोर्ट बरवारा में शादी की। कॉफी विद करण में कैटरीना ने खुलासा किया कि वह विक्की से जोया अख्तर की पार्टी में मिली थीं और यहीं से उनके बीच रोमांस की शुरुआत हुई। विक्की के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताते हुए कैटरीना ने बताया कि विक्की कभी उनके श्रडारश पर नहीं थे। उन्होंने कहा, ष्मैं उनके बारे में ज्यादा नहीं जानती थी। वह सिर्फ एक नाम था जिसके बारे में मैंने सुना था लेकिन कभी उससे जुड़ी नहीं थी। लेकिन फिर, जब मैं उनसे मिली, तो मैं उनसे जुड़ गई!ष अपने रिश्ते को श्अप्रत्याशित और अप्रत्याशितश बताते हुए कैटरीना ने कहा, ष्यह मेरी किस्मत थी और यह वास्तव में होना ही था। इतने सारे संयोग थे कि एक समय पर यह सब अवास्तविक लगा।ष पेशेवर तौर पर, विक्की कौशल को आखिरी बार तृप्ती डिमरी और एमी विर्क के साथ बैड न्यूज में देखा गया था। वह वर्तमान में अपनी अगली फिल्म, छावा के प्रचार में व्यस्त हैं, जिसमें वह छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म पहले दिसंबर के पहले हफ्ते में बड़े पर्दे पर आने वाली थी, हालाँकि, निर्माताओं ने इसकी रिलीज की तारीखष को फरवरी 2025 तक बढ़ा दिया। दूसरी ओर, कैटरीना को आखिरी बार सलमान खघन के साथ टाइगर 3 में देखा गया था। उनके पास कुछ प्रोजेक्ट हैं जिनमें निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ एक प्रोजेक्ट और आलिया भट्ट के साथ जी ले जरा नामक फिल्म शामिल है।

संक्षिप्त

लिंग जांच में अयोग्य इमाने खेलीफ से लेकर पांड्या तक, साल 2024 में इन 10 एथलीट का जलवा

नई दिल्ली। साल 2024 खत्म होने के करीब है। इस साल भारत के लिए खेलों में मिलेजुले नतीजे रहे। क्रिकेट में जहां भारत ने टी20 विश्व कप कब्जा जमाया, वहीं पेरिस ओलंपिक में टीम इंडिया का प्रदर्शन ठीक ठाक रहा। टी20 विश्व कप के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली का सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास भी एक बड़ा चर्चा का विषय बन गया। हालांकि, जब दुनिया भर में गूगल पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले खिलाड़ियों की सूची की बात आती है, तो न तो विराट और न ही रोहित को जगह मिली। भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के एकमात्र सदस्य हार्दिक पांड्या गूगल पर शीर्ष 10 सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले एथलीट्स में जगह बनाने में कामयाब रहे। हालांकि, हार्दिक दुनिया भर में गूगल पर सबसे ज्यादा खोजे गए 10 एथलीटों में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय क्रिकेटर नहीं हैं। दूसरे क्रिकेटर शशांक सिंह हैं, जो इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। शीर्ष 10 में शशांक का नाम होना काफी चौंकाने वाला है, क्योंकि वह महज एक अनकैप्ड बल्लेबाज हैं। इसी साल आईपीएल से वह सुर्खियों में भी आए थे। आईपीएल ढाई महीने के आसपास चला और इसके बावजूद शशांक लिस्ट में हैं। जिस तरह से उन्हें आईपीएल 2024 की नीलामी में पंजाब किंग्स द्वारा खरीदा गया था, उसने यकीनन उन्हें इंटरनेट सनसनी बना दिया। यह कहा जाता है कि शशांक को पंजाब किंग्स ने नीलामी में गलती से खरीदा था क्योंकि फ्रेंचाइजी ने उन्हें कोई दूसरा शशांक सिंह समझा था। हालांकि, बाद में पंजाब ने सफाई देते हुए कहा था कि उनसे गलती हुई और वह उसी शशांक को खोज रहे थे।

प्रतिभूति बाजार में लावारिस संपत्तियां कम करने के लिए डिजिलॉकर का इस्तेमाल हो:सेबी

नयी दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने प्रतिभूति बाजार में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और लावारिस संपत्तियों की संख्या कम करने के लिए डिजिलॉकर के उपयोग का प्रस्ताव दिया।

डिजिलॉकर एक सरकार–समर्थित डिजिटल दस्तावेज भंडारण मंच है, जहां सभी जरूरी दस्तावेज प्रमाणित रूप में रखे जा सकते हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि डिपॉजिटरी और म्यूचुअल फंड को डिजिलॉकर पर डीमैट और म्यूचुअल फंड होल्डिंग के विवरण उपलब्ध कराने चाहिए। इसके अलावा सेबी ने यह सुझाव भी दिया कि केवाईसी का पंजीकरण करने वाली एजेंसियों (केआरए) को निवेशक की मृत्यु की जानकारी डिजिलॉकर के साथ साझा करनी चाहिए। डिजिलॉकर का उपयोग करने वाले व्यक्ति अपने खातों के लिए व्यक्तियों को नामांकित कर सकते हैं। इस प्रस्ताव का मकसद लावारिस और अज्ञात संपत्तियों को कम करना, और निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए वित्तीय निवेश का सही उत्तराधिकारियों तक सुचारू रूप से हस्तांतरण करना है। नियामक ने प्रस्ताव दिया कि उपयोगकर्ता की मृत्यु की स्थिति में, डिजिलॉकर भारत के महापंजीयक (आरजीआई) से मृत्यु पंजीकरण की जानकारी या केआरए प्रणाली से मिली जानकारी के आधार पर खाते की स्थिति को अपडेट करेगा। डिजिलॉकर एसएमएस और ईमेल के जरिये नामांकित व्यक्ति को स्वचालित रूप से इस संबंध में सूचित करेगा। इसके बाद नामित व्यक्ति मृतक के डिजिटल रिकॉर्ड तक पहुंच सकता है और संबंधित एएमसी या डिपॉजिटरी भागीदार (डीपी) से संपर्क करके संपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। सेबी ने इन प्रस्तावों पर 31 दिसंबर तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं।

आंध्र प्रदेश को प्रमुख भागीदार मानती है गूगल–चंद्रबाबू नायडू

अमरावती । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने भारत में अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं और परिचालन के तहत आंध्र प्रदेश को एक प्रमुख भागीदार के रूप में पहचाना है। यहां सचिवालय में गूगल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सहयोग के विभिन्न संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने विश्वास जताया कि गूगल जैसी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ सहयोग राज्य को सशक्त बनाएगा। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "आज अमरावती में मैंने गूगल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुझे अपने परिचालन के बारे में जानकारी दी और भारत में अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में बताया। मुझे गर्व है कि आंध्र प्रदेश को एक प्रमुख भागीदार के रूप में पहचाना गया है।" मुख्यमंत्री के अनुसार, आंध्र प्रदेश की प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों ने एक व्यापार–अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है, जो निवेशकों को आकर्षित कर रहा है और रोजगार के अवसरों का रास्ता साफ कर रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य ने हाल ही में गूगल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

विराट–अनुष्का की शादी की 7वीं सालगिरह, फैंस बोले- आपका प्यार ऐसे ही बना रहे

मुंबई। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा आज अपनी शादी की सातवीं सालगिरह मना रहे हैं। इन दोनों ने 11 दिसंबर, 2017 को इटली के टस्कनी में एक निजी समारोह में शादी की थी। इस मौके पर रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु और उनके फैंस ने शुभकामनाएं दीं हैं। यह जोड़ी पिछले कुछ वर्षों में भारत की सबसे प्रसिद्ध स्टार जोड़ियों में से एक रही है। अनुष्का भारत के मैचों के दौरान स्टेडियम में भी नजर आती हैं। हाल ही में वह पर्थ में कोहली के शतक के दौरान भी मौजूद रही थीं। इस दौरान कोहली ने अनुष्का का फ्लाइंग किस दी थी। कोहली की आईपीएल टीम रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, शविरुष्का कपल गोल्स को पूरी तरह निभा रहे हैं। पावर कपल, अनुष्का और विराट को शादी की सालगिरह की बहुत–बहुत शुभकामनाएं। कई और खूबसूरत साल आप दोनों का इंतजार कर रहे हैं और आप एक–दूसरे को और बाकी दुनिया को ऐसे ही प्रेरित करते रहें! फैंस भी इस कपल को शुभकामना संदेश भेज रहे हैं।

पर्थ में अपना 30वां टेस्ट शतक जड़ने के बाद कोहली ने इसे अपनी पत्नी अनुष्का को समर्पित किया था। उन्होंने कहा था कि अनुष्का करियर के कठिन क्षणों में उनके साथ खड़ी रहीं। उन्होंने कहा, श्मुझे अपने देश के लिए खेलने पर गर्व है। वह यहां हैं जो इस शतक को मेरे लिए और भी खास बनाता है। अनुष्का हर समय मेरे साथ रही हैं। इसलिए वह सब कुछ जानती है जो पर्दे के पीछे चल रहा होता है। जब आप अच्छा नहीं खेलते हैं या कुछ गलतियां करते हैं तो आपके मन में क्या चलता है, यह वो जानती हैं। मैं सिर्फ टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं। मैं ऐसा खिलाड़ी नहीं हूं जो सिर्फ इसके लिए घूमना चाहता है।

कोहली फिलहाल गाबा में तीसरे टेस्ट के लिए जमकर तैयारी कर रहे हैं क्योंकि एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद सीरीज 1–1 से बराबर है। विराट कोहली का टेस्ट में खराब दौर जारी है। पर्थ में उन्होंने शतक जरूर लगाया था, लेकिन उससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ और उसके बाद एडिलेड में विराट कुछ खास नहीं कर सके थे। साल 2024 में विराट का टेस्ट में औसत रवींद्र जडेजा से भी खराब रहा है। विराट ने इस साल 16 पारियों में 26.64 की औसत से 373 रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में छह पारियों में विराट ने महज 91 रन बनाए थे। वहीं एडिलेड में वह सात और 11 का स्कोर बना पाए। साल 2011 में विराट का टेस्ट करियर शुरू हुआ था और साल 2019 के अंत तक आते आते विराट टेस्ट में 55.10 की औसत से रन बना रहे थे। इसके बाद उनकी फॉर्म में गिरावट आई और 2024 में उनका मौजूदा औसत 47.72 का है। 2021 के बाद यह लगातार तीसरा साल है, जब उनका फॉर्म 50 से नीचे रहा है। 2022 में उनका बल्लेबाजी औसत 49.35 का और 2023 में 48.12 का रहा था।

जो अख्तर–उमर गुल न कर सके, वो शाहीन अफरीदी ने कर दिखाया

डरबन। तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दोनों प्रारूपों में 100 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले गेंदबाज बन गए हैं। डरबन में मंगलवार रात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली पारी में शाहीन ने यह उपलब्धि हासिल की। शाहीन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 100 विकेट पूरे किए और दोनों प्रारूपों में 100 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले गेंदबाज बन गए। टी20 अंतरराष्ट्रीय के अलावा इस 24 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने वनडे में 112 और टेस्ट क्रिकेट में 116 विकेट लिए हैं। हारिस–शादाब के क्लब में शामिल हुए वह हारिस रऊफ और शादाब खान के बाद 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल करने वाले तीसरे पाकिस्तानी गेंदबाज भी बन गए। शाहीन ने पाकिस्तान के लिए अपने 74वें टी20 मैच में 100 विकेट पूरे किए। वह तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के बाद पाकिस्तान के लिए 100 टी20 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए। हारिस ने 71 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उपलब्धि हासिल की थी।

साउदी–शाकिब के खास क्लब में शामिल शाहीन यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए और न्यूजीलैंड के टिम साउदी, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और श्रीलंका के लसिथ मलिंगा के क्लब में शामिल हो गए। मैच की बात करें तो शाहीन ने रसी वान डर डुसेन, डेविड मिलर और नकाबयोमजी पीटर को अपना शिकार बनाया। शाहीन ने अपने चार ओवर के स्पेल में 22 रन दिए और तीन विकेट झटके।

पाकिस्तान को 11 रन से मिली हार शाहीन की घातक गेंदबाजी के बावजूद पाकिस्तान 11 रन से हार गया। दक्षिण अफ्रीका ने मिलर के 40 गेंद में चार चौके और आठ छक्के की मदद से बनाए गए 82 रन और जॉर्ज लिंडे के 24 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से बनाए गए 48 रन की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 183 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से शाहीन के अलावा अबरार अहमद ने भी तीन विकेट लिए। वहीं, अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। सूफियान मुकीम को एक विकेट मिला।

रिजवान की धीमी पारी

184 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम के लिए कप्तान मोहम्मद रिजवान ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए। उन्होंने 62 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए।

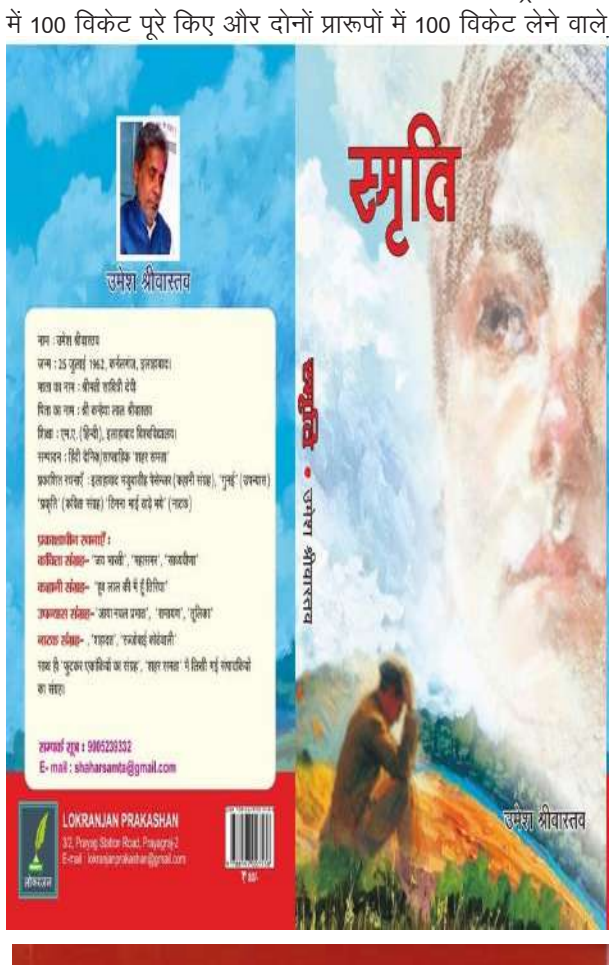

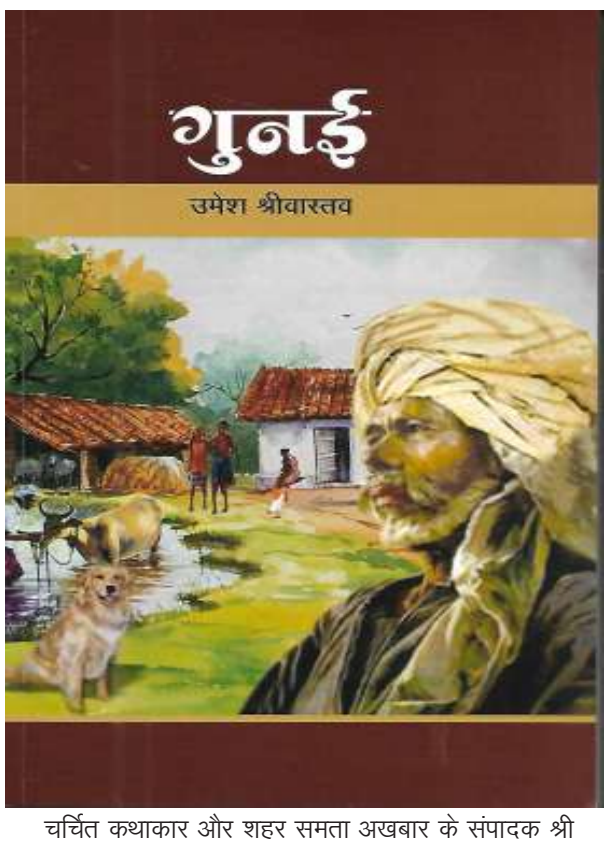

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

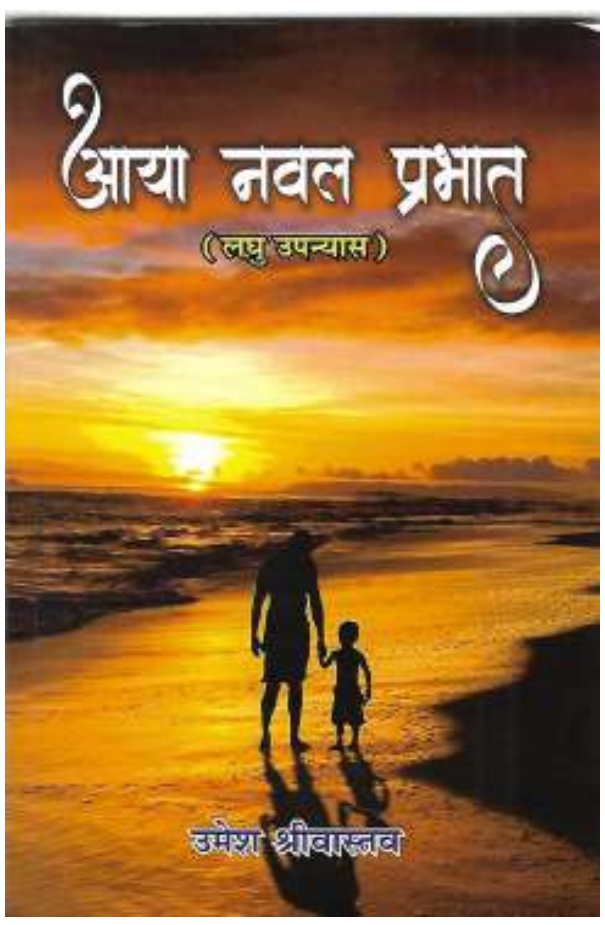

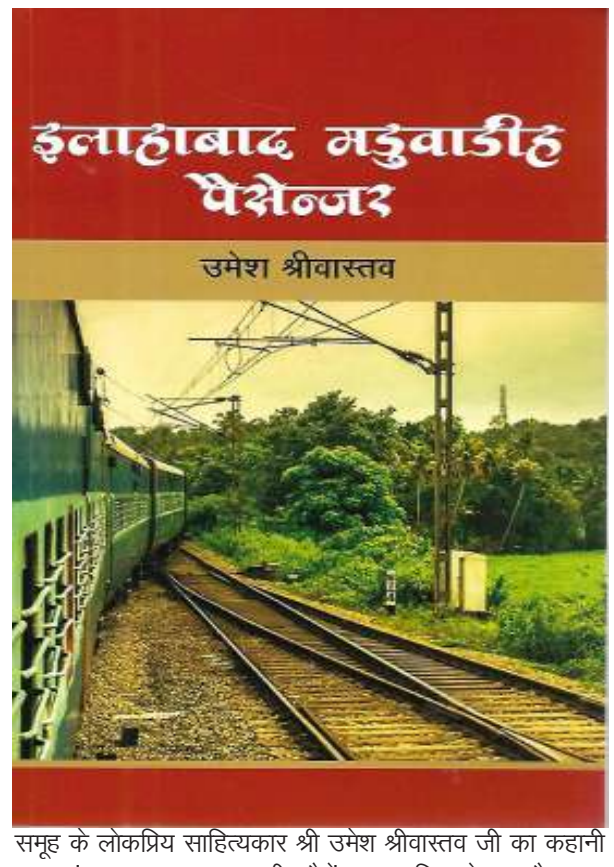

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

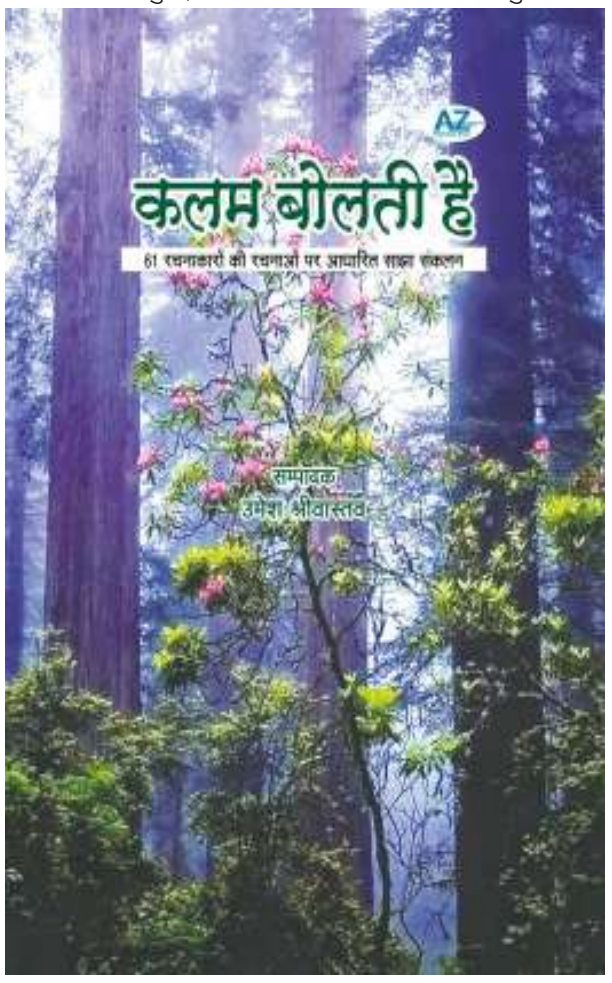

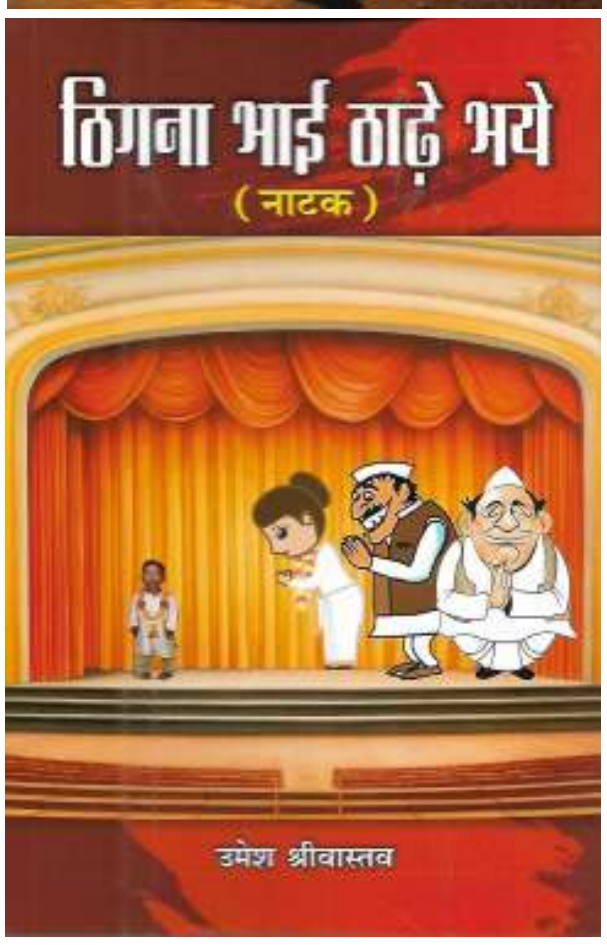

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

इजराइल ने दनादन बमबारी करके बर्बाद कर दिये सीरिया के हथियार, मिसाइल और गोला-बारूद

लेबनान में हमले बंद करने के बाद अब इजराइली बमों और मिसाइलों ने सीरिया की ओर रुख कर लिया है। हम आपको बता दें कि इजराइल ने दावा किया है कि उसकी सेना ने सीरिया में हवाई हमलों के जरिये हथियारों के बड़े भंडार को नष्ट कर दिया है। इस बारे में इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने जानकारी दी है। इजराइली रक्षा मंत्री ने कहा कि इस ऑपरेशन ने उनके देश की वायु सेना की शक्ति को रेखांकित किया है। यह दर्शाता है कि इजराइल को अगर जरा-सी भी भनक लग जाये कि उसके देश को कहीं से भी खतरा हो सकता है तो वह अपने पर हमला होने का इंतजार करने की बजाय खतरे को पहले ही खत्म कर देने में विश्वास रखता है।

हम आपको बता दें कि सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद, इजराइली सेना ने कहा है कि उसके जेट विमानों ने विमान भेदी बैटरी, सैन्य हवाई क्षेत्रों, हथियार उत्पादन स्थलों, लड़ाकू विमानों और मिसाइलों सहित अन्य लक्ष्यों पर 350 से अधिक हमले किए हैं। इसके अलावा, मिसाइल हमलों ने अल-बायदा बंदरगाह और लाताकिया बंदरगाह स्थित सीरियाई नौसैनिक केंद्रों पर हमला किया, जहां 15 सीरियाई नौसैनिक जहाज खड़े थे।

इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि सीरिया भर में हमलों का उद्देश्य रणनीतिक हथियारों और सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट करना था ताकि असद को सत्ता से हटाने वाले विद्रोही समूहों द्वारा उनका इस्तेमाल रोका जा सके, क्योंकि यह विद्रोही अल कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े थे। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस बारे में कहा है कि सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का हमारा कोई इरादा नहीं है, लेकिन हम स्पष्ट रूप से वह करने का इरादा रखते हैं जो हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ष्मैंने वायु सेना को सीरियाई सेना द्वारा छोड़ी गई रणनीतिक सैन्य क्षमताओं पर बमबारी करने के लिए अधिकृत किया, ताकि वे जिहादियों के हाथों में न पड़ें। नेतन्याहू ने कहा, ष्हम सीरिया में नए शासन के साथ संबंध चाहते हैं।श्ष लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरानी हथियार सीरिया के माध्यम से हिजबुल्लाह को हस्तांतरित किए गए या अगर इजरायल पर हमला किया गया तो हम जोरदार जवाब देंगे और इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

एक सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि इजरायली सैनिक बफर जोन के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में ष्कुछ अतिरिक्त बिंदुओं पर भी बने हुए हैं। लेकिन उन्होंने इस बात से इंकार किया कि सेनाएं क्षेत्र से परे सीरियाई क्षेत्र में काफी हद तक घुस गई हैं। एक सीरियाई सूत्र ने कहा कि वे क्षेत्र के पूर्व में कई किमी और दमिश्क हवाई अड्डे से कुछ ही दूरी पर कटाना शहर तक पहुंच गए थे। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नदव शोशानी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ष्आईडीएफ बल दमिश्क की ओर आगे नहीं बढ़ रहे हैं। यह ऐसा कुछ नहीं है जो हम कर रहे हैं या किसी भी तरह से इसका पीछा नहीं कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि इजराइल, जो ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आंदोलन से हफ्तों तक लड़ने के बाद लेबनान में युद्धविराम पर सहमत हुआ है, सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीरियाई क्षेत्र पर नजर रखे हुए है। इजरायली सेना के अनुसार, हमलों ने सीरिया में अधिकांश रणनीतिक हथियारों के भंडार के साथ-साथ दमिश्क, होम्स, टार्टस, लाताकिया और पलमायरा शहरों में उत्पादन स्थलों को भी प्रभावित किया। एक बयान में कहा गया है कि स्कड और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ समुद्र से समुद्र में मार करने वाली मिसाइलें, ड्रोन, लॉन्चर और फायरिंग पोजिशन को नष्ट कर दिया गया। सैन्य हवाई क्षेत्रों और ठिकानों पर हमलों में सीरियाई सैन्य हेलीकॉप्टर, लड़ाकू जेट और टैंक भी नष्ट हो गए। इजराइल ने अपने मुख्य दुश्मन ईरान के सहयोगी असद के पतन का स्वागत भी किया है लेकिन प्रमुख विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम पर सावधानीपूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त की है। क्योंकि इसकी जड़ें अल कायदा और इस्लामिक स्टेट सहित इस्लामी आंदोलनों में हैं, हालांकि इसने वर्षों से अपनी छवि को नरम करने की कोशिश की है।

अब सीरिया में घुसकर इजराइल ने क्या कर दिया, दमिश्क से आई इस तस्वीर ने मचाया तहलका

सीरिया में तख्तापलट के बाद अगर किसी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है तो वो इजरायल है। इजरायल के कमांडों सीरिया के सबसे ऊंचे पहाड़ पर चढ़ गए और फिर जो हुआ वो हैरान करने वाला है। गाजा-लेबनान को निपटाने के बाद 50 साल बाद इजरायल की सेना सीरिया में घुस गई। इजरायली वायु सेना के खतरनाक कमांजोड ने सीरिया के सबसे ऊंचे पहाड़ माउंड हैरमन पर कब्जा कर लिया। ये पहाड़ सीरिया की सीमा के 10 किलोमीटर अंदर तक है। माउंट हैरमॉन सीरिया और लेबनान की सीमा पर मौजूद है। माउंट हैरमॉन की स्ट्रैटजिक लोकेशन इजरायल के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। जिसके बाद अब खबर आई है कि इजराइल ने पुष्टि की है कि उसने बशर अल-असद शासन के पतन के बाद देश में सैन्य संपत्तियों को ध्वस्त करने के अपने प्रयासों के तहत सीरिया के नौसैनिक बेड़े पर व्यापक हमले किए हैं।

इजराइल रक्षा बल या आईडीएफ ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि इजराइली जहाजों ने सोमवार रात अल-बायदा और लताकिया में बंदरगाहों पर हमला किया, जहां 15 जहाज खड़े थे। आईडीएफ के अनुसार, इजरायली युद्धक विमानों ने पूरे सीरिया में लक्ष्यों पर 350 से अधिक हवाई हमले किए थे। इसने जमीनी बलों को सीरिया और कब्जे वाले गोलान हाइट्स के बीच विसैन्यीकृत बफर जोन में भी स्थानांतरित कर दिया।

दमिश्क में एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकारों ने उपनगरों में भारी हवाई हमलों की आवाज सुनीं। ऑनलाइन प्रसारित तस्वीरों में नष्ट हुए मिसाइल लांचर, हेलीकॉप्टर और युद्धक विमान दिखाई दे रहे हैं। दमिश्क पर कब्जा करने वाले हयात तहरीर अल-शम या एचटीएस के नेतृत्व वाले विद्रोही समूहों की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। इजराइल ने यह भी कहा कि वह संदिग्ध रासायनिक हथियार स्थलों और भारी हथियारों पर हमला कर रहा है ताकि उन्हें चरमपंथियों के हाथों में पड़ने से रोका जा सके। इजराइली अधिकारी शायद ही कभी ऐसे हमलों को स्वीकार करते हैं। इजराइल का अपने पड़ोसियों के साथ युद्ध के दौरान क्षेत्र पर कब्जा करने और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अनिश्चित काल तक उस पर कब्जा रखने का एक लंबा इतिहास रहा है।

चीन से मुकाबले के लिए रूस के साथ अरबों के रक्षा सौदे कर सकता है भारत

मॉस्को। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का रूस दौरा जारी है। उन्होंने एक दिन पहले ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और दोनों देशों की दोस्ती को सबसे गहरे महासागर से भी गहरा करार दिया। बताया जा रहा है कि इस बीच दोनों देशों के बीच एक बड़े रक्षा समझौतों को लेकर चर्चाएं अंतिम चरणों में है। पड़ोसी चीन के खतरे को देखते हुए भारत ने रूस से कई अहम हथियार और सुरक्षा प्रणाली खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। ऐसे में वह करीब 4 अरब डॉलर के साजो-सामान की खरीद का मन बना चुका है।

बताया गया है कि इस समझौते में जिन हथियार प्रणालियों पर बातचीत चल रही है, उनमें सबसे अहम वोरोनेझ रडार सिस्टम की शृंखला है, जिसे रूस की अल्माज-एंटेय कॉरपोरेशन की तरफ से बनाया जाता है। यह कंपनी एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम और रडार बनाने में विशेषज्ञ मानी जाती है। वोरोनेझ रडार लंबी दूरी तक खतरे की पहचान करने वाला रडार सिस्टम है। इसकी रेंज 8,000 किलोमीटर तक है। इसके जरिए बैलिस्टिक मिसाइल, फाइटर जेट्स और अंतरद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) जैसे खतरों की भी आसानी से पहचान और ट्रैकिंग की जा सकती है। अगर भारत इस एडवांस रडार सिस्टम को हासिल कर लेता है तो वह चीन, दक्षिण, मध्य एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र से आने वाले खतरों का भी आसानी से पता लगाने के बाद उन्हें रोक सकता है। वोरोनेझ रडार सिस्टम एक साथ 500 चीजों का एक साथ पता लगा सकता है। इसकी कुल रेंज 10 हजार किलोमीटर तक है। ऊंचाई के हिसाब से इसकी रेंज 8,000 किमी तक है। वहीं सतह पर इसकी पहुंच 6,000 किमी तक है। मॉस्को का कहना है कि वोरोनेझ रडार सिस्टम स्टेल्थ एयरक्राफ्ट को भी ट्रैक कर सकता है। इसकी जबरदस्त रेंज की वजह से यह दूरी से आने वाली आईसीबीएम और पृथ्वी के करीब अंतरिक्ष में स्थित वस्तुओं की पहचान भी सकता है। रशिया टुडे के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच इस समझौते कोलेकर काफी समय से चर्चाएं जारी हैं और पिछले महीने ही अल्माज-एंटेय की एक टीम भारत गई थी, ताकि वहां इसे बनाने के लिए प्रोजेक्ट के साझेदार पर बात बन सके। एक और रिपोर्ट में कहा गया है ।

बशर और पुतिन को तगड़ा झटका, एचटीएस विद्रोहियों को आतंकी सूची से हटा सकता है संयुक्त राष्ट्र, लेकिन...

सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गीर पेडरसन ने प्रतिबंधित आतंकवादी समूहों की सूची से एचटीएस को हटाने का सुझाव दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह देश पर उस तरह से शासन नहीं कर सकता जिस तरह उसने इदलिब पर शासन किया था। एचटीएस उत्तरी प्रांत इदलिब में स्थित था और इसने वहां से सैन्य हमले का नेतृत्व किया था जिसके कारण पिछले सप्ताह असद शासन का अचानक पतन हो गया था।

मध्य पूर्व का देश सीरिया फिलहाल पूरी दुनिया का टॉकिंग प्वाइंट बना हुआ है। एक हफ्ते पहले तक किसी ने नहीं सोचा था कि यहां के राष्ट्रपति बशर अल असद के शासन का अंत इतना नजदीक होगा। हालात ऐसे बन या बना दिए जाएंगे कि उन्हें देश छोड़ने को मजबूर होना पड़ेगा। दमिश्क की सड़कों पर विद्रोही गुटों के साथ साथ आम लोग जश्न मनाते नजर आएंगे। लेकिन सीरिया की फिलहाल की तस्वीर इसी की तस्दीक कर रही है। सीरिया के शहरों पर तेजी से कब्जा करते संगठन हयात तहरीर अल शाम के मुखिया को वैसे तो अमेरिका ने आंतकी घोषित कर रखा है। एचटीएस चीफ अबू मोहम्मद अल जोलानी इजरायल को भी अपना दुश्मन मानता है। लेकिन अब इस संगठन को लेकर एक ऐसी खबर आई है जो सभी को हैरान भी कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रपति बशर अल-असद शासन को उखाड़ फेंकने वाले सीरियाई विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) को नामित आतंकवादी समूहों की अपनी सूची से हटाने पर विचार कर सकता है, यदि यह वास्तव में समावेशी संक्रमणकालीन सरकार बनाने की महत्वपूर्ण परीक्षा पास कर लेता है। सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गीर पेडरसन ने प्रतिबंधित आतंकवादी समूहों की सूची से एचटीएस को हटाने का सुझाव दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह देश पर उस तरह से शासन नहीं कर सकता जिस तरह उसने इदलिब पर शासन किया था। एचटीएस उत्तरी प्रांत इदलिब में स्थित था और इसने वहां से सैन्य हमले का नेतृत्व किया था जिसके कारण पिछले सप्ताह असद शासन का अचानक पतन हो गया था। जिनेवा में एक ब्रीफिंग के दौरान पेडर्सन ने यह भी कहा कि सीरिया एक चौराहे पर बना हुआ है और स्थिति बेहद अस्थिर है। उन्होंने इस घटनाक्रम को बहुत परेशान करने वाला बताते हुए इजराइल से सीरिया के अंदर अपने जमीनी और हवाई हमलों को तुरंत रोकने का आग्रह किया। पेडर्सन ने कहा कि बमबारी को रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गोलान हाइट्स के आसपास इजरायल की कार्रवाई 1974 में संयुक्त राष्ट्र के साथ हस्ताक्षरित विघटन समझौते का उल्लंघन दर्शाती है। पेडर्सन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संक्षेप में कहा कि दमिश्क में सशस्त्र समूहों के शुरुआती संकेत उत्साहजनक थे कि वे सहयोग कर रहे थे और मौजूदा राज्य संस्थानों की रक्षा के लिए उत्सुक थे।

विस्थापितों को पनाह दे रहे घर पर एयरस्ट्राइक, 19 की गई जान एक दिन में कुल 26 मौतें

यरुशलम। इस्राइल की तरफ से गाजा पर हमले लगातार जारी हैं। मंगलवार-बुधवार के दौरान इस्राइल की तरफ से हुए हमलों में कुल 26 लोगों की जान चली गई। बताया गया है कि इस्राइली वायुसेना ने देर रात विस्थापित लोगों को शरण दे रहे घर पर हमला कर दिया। इसमें ही 19 की मौत हो गई। फलस्तीन के चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि इस्राइल का यह हमला बेत लाहिया इलाके में बॉर्डर के करीब हुआ। कमाल अदवान अस्पताल, जहां मृतकों के शव पहुंचाए गए ने कहा कि इन हमलों में आठ लोगों का पूरा परिवार मारा गया। इनमें चार बच्चे, उनके माता-पिता और दादा-दादी मारे गए। इसके अलावा मध्य गाजा में नुसेरत शरणार्थी कैंप में हुए एक हमले में सात लोगों की मौत हो गई। अवदा अस्पताल के रिकॉर्ड के मुताबिक, इस हमले में दो बच्चे, उनके माता-पिता और उनके तीन रिश्तेदारों की मौत हुई है। इन हमलों को लेकर इस्राइल की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। हालांकि, वह उत्तरी गाजा में हमास के चरमपंथियों के खिलाफ अक्तूबर से ही नए सिरे से हमला कर रहा है। इस्राइली सेना का कहना है कि वह आम लोगों को बचाने के लिए पूरे एहतियात बरत रहा है। लेकिन चरमपंथी उनके बीच में छिपकर बेकसूरों के जीवन पर खतरा पैदा कर रहे हैं।

संक्षिप्त

अमेरिका में जन्म से ही नागरिकता मिलने के नियम को बदलवा सकते हैं ट्रंप?

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उस कानून को हास्यास्पद बताया, जिसके तहत देश में जन्मे किसी भी व्यक्ति को अपने आप अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है। ट्रंप ने इशारा किया कि वह 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद इस कानून को खत्म करवाने के लिए कदम उठाएंगे। ट्रंप के लिए नागरिकता से जुड़ा यह कदम इतना भी आसान हीं होगा, लेकिन अगर वे इस नियम को बदलवाने में सफल होते हैं तो इसका दूरगामी असर क्या होगा? इसका भारतीयों समेत बाकी देशों के नागरिकों पर क्या प्रभाव पड़ेगा? बड़ी बात यह है कि यह अधिकार अमेरिका के संविधान के 14वें संशोधन के तहत दिया गया है, जिससे देश की सीमाओं के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में जन्में हर व्यक्ति को अपने आप ही अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है, फिर चाहे उसके माता-पिता किसी भी मूल के हों। ट्रंप ने कहा कि वह जन्म से मिलने वाले नागरिकता के नियम को भी बदल देंगे। ट्रंप ने कहा कि हमें इसे खत्म करना होगा। बाकी देशों में यह चलन नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह के नियम से देश के सिस्टम का फायदा उठाया जाता है और अमेरिकी नागरिक बनने के मानक थोड़े सख्त होने चाहिए। ट्रंप और उनके समर्थकों का कहना है कि इस नियम से बर्थ टूरिज्म (बच्चों के जन्म के लिए पर्यटन) को बढ़ावा मिलता है। इसके तहत माता-पिता अपने बच्चों के जन्म के लिए अमेरिका का दौरा करते हैं, ताकि उन्हें अमेरिकी नागरिकता मिल जाए। ट्रंप का कहना है कि वे परिवारों को नहीं तोड़ना चाहते, इसलिए वे पूरे के पूरे परिवारों को ही एक साथ वापस उनके देश भेजने के पक्षधर हैं। रिपब्लिकन नेता ने दावा किया कि अमेरिका इकलौता देश है, जहां पर यह नियम है। हालांकि, उनका यह दावा गलत है, क्योंकि दुनिया के 34 अन्य देशों में भी यह नियम हैं। ट्रंप का यह वादा उनके लिए गले की फांस भी बन सकता है। दरअसल, अमेरिकी संविधान को बदलने के नियम काफी सख्त हैं। ऐसे में संसद और राज्यों के जरिए इन नियमों को बदलवाना अमेरिकी राष्ट्रपतियों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो सकता है। इसके रास्ते में राज्य की विधायिकाओं से लेकर संसद के दोनों सदनों की चुनौतियां आ सकती हैं। प्यू रिसर्च के 2022 की अमेरिकी जनगणना के विश्लेषण के मुताबिक, अमेरिका में करीब 48 लाख भारतीय रह रहे हैं। इनमें से 34 फीसदी या 16 लाख इस देश में ही पैदा हुए हैं। यह लोग मौजूदा कानून के तहत अमेरिका के नागरिक बन गए हैं। अगर ट्रंप इस कानून को खत्म कर देते हैं तो 16 लाख भारतीयों पर असर पड़ेगा।

भारतीय मूल के छात्र को फलस्तीन समर्थित निबंध लिखने पर डप्ज ने किया निलंबित

वॉशिंगटन। अमेरिका के कैम्ब्रिज में स्थित मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) दुनिया का जाना-माना संस्थान है। हर कोई यहां से पढ़ने का सपना देखता है। हालांकि, अब यह विश्वविद्यालय एक छात्र पर की गई कार्रवाई के चलते सुर्खियों में आ गया है। दरअसल, भारतीय मूल के एक छात्र प्रह्लाद अयंगर को फलस्तीन समर्थक निबंध लिखना भारी पड़ गया। उनपर यूनिवर्सिटी ने बैन लगा दिया है। प्रह्लाद इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान विभाग से पीएचडी कर रहे हैं, लेकिन अब उनकी पांच साल की नेशनल साइंस फाउंडेशन ग्रेजुएट रिसर्च फेलोशिप खत्म हो जाएगी। एमआईटी ने भारतीय मूल के छात्र के कॉलेज कैंपस में प्रवेश करने पर रोक लगा दी है। छात्र ने ये निबंध कॉलेज की मैग्जीन में लिखा था, जिसे एमआईटी ने हिंसा से संबंधित माना। साथ ही इस मैग्जीन को भी बैन कर दिया है। आयंगर के लिखे निबंध का शीर्षक 'ऑन पैसिफिज्म' है। हालांकि उसके लेख से सीधे तौर पर हिंसक प्रतिरोध का आह्वान नहीं किया गया है, लेकिन इसमें लिखा है कि 'शांतिवादी रणनीति' शायद फलस्तीन के लिए अच्छा उपाय नहीं है। खास बात यह है कि इस निबंध में पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फलस्तीन का लोगो भी दिखाया गया है। जो अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार एक आतंकवादी संगठन है। वहीं कॉलेज का कहना है कि निबंध ा में जिस तरह की भाषा इस्तेमाल की गई, उसे हिंसक या विध वंसकारी विरोध प्रदर्शन का आह्वान माना जा सकता है। अयंगर ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कमी का मुद्दा उठाया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब अयंगर पहली बार निलंबित हुए हैं। पिछले साल फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था। एमआईटी के रंगभेद विरोधी गठबंधन ने भी आवाज मुखर की है। संगठन से जुड़े छात्रों ने एमआईटी के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

मार्शल लॉ को लेकर राष्ट्रपति के कार्यालय पर छापेमारी

इससे पहले एक संसदीय सुनवाई के दौरान सेना के एक कमांडर क्वाक जोंग-क्युन ने मंगलवार को कहा कि उन्हें किम योंग-ह्यून से सेना को संसद की तरफ भेजने का सीधा आदेश मिला था। किम ने उन्हें निर्देश दिया था कि 300 सदस्यों वाली संसद में सांसदों को घुसने से रोकना है, ताकि यून के मार्शल लॉ को हटाने के लिए जरूरी 150 वोट न जुटाए जा सकें। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक योल के कार्यालय पर बुधवार को पुलिस ने छापा मारा। छापेमारी देश में मार्शल लॉ लागू करने के मामले की जांच के तहत की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, सियोल मेट्रोपॉलिटन पुलिस और नेशनल असेंबली पुलिस गार्ड्स के कार्यालयों पर भी छापे मारे गए हैं। इस बीच खबर है कि दक्षिण कोरिया के पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून ने आत्महत्या का प्रयास किया। गनीमत रही कि उन्हें बचा लिया गया और अब उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले मार्शल लॉ को लागू करने वाले अधिकारियों पर गाज गिरनी जारी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।